

२३१२

सनातन धर्मसभा नं. ३१  
नजीरकी शैलें.







नजीर की शैरों मेसे कितनी

अच्छीअच्छी चुनके



श्रीभुवन चन्द्र वसाक जीने

अपने ज्ञानरत्नाकर

यन्त्र मे

छापवाई' सम्वत् १९२६

श्रीजगन्नाथप्रणितनेशोधा

कलकत्ता

८ नम्बर नीमतलागली ।







न जी र ।

अवल्तोदितमें कीजिये पूजन गने सजी ॥ अ  
स्तुत भिफिर वखानिये धन धन गने सजी ॥ भक्तों  
को अपने देते हैं दरसन गने सजी ॥ वरदान व  
खसते हैं जो देवन गने सजी ॥ हर आनध्यान की  
जिये सुमरन गने सजी ॥ देवै गे कृद्वि सिद्धि ओ  
अन धन गने सजी ॥ ० ॥ माये पै अर्द्ध चन्द्र किशोभा  
मैं क्या कहूँ ॥ उपमान हीं वने हैं मैं चुपकाहि  
होरहूँ ॥ इच्छव को देख देख के आनन्द सुख ल  
हूँ ॥ लै लौ निहार दितमें सदा अपने बोचहूँ ॥  
हर आन ॥ एकदन्त को जो देखा क्या खूब है वहा  
र ॥ इस्में हजार चन्द्र किशोभा को डालुं वार ॥ इन  
के गुणानुवाद का है कुछ न हीं सुमार ॥ हर वक्त  
दितमें आता है अपने ही विचार ॥ हर आ  
न ॥ गजमुख को देख होता है सुख उर में आन आ  
न ॥ दिल सादसाद होता है मैं क्या करूं बखान ॥



इहमौ ज्ञनरमें एक हैं और बुद्धि के निधान ॥  
 सब काम छोड़ धारे और मन मेय ही आन ॥ ह  
 र आन ॥ क्या छोटे छोटे हाथ हैं चारों भरे भरे ॥ चा  
 रों में चार हैं गेप दार थ खरे खरे ॥ देते हैं अप  
 ने दासों को जो हैं बड़े बड़े ॥ अल्वत्ते अपनी मेहर  
 येतु भ्रम पर करे करे ॥ हर आन ॥ एक दस्त में तो  
 है गासु मरन बहारदार ॥ और दूसरे में फरसी  
 उस्की का अजब है धार ॥ तीजे में कज्ज चौथे कर  
 में हैं लिये अहार ॥ मत सोच दिल में और तू अयया  
 र बार बार ॥ हर आन ॥ अच्छे विसाल नैन हैं  
 और तो द है वड़ी ॥ हाथों को जो डसर सतिर  
 हे सामने खड़ी ॥ होवे अशान पल में मुग्ध किल है  
 जो अड़ी ॥ फल पावने की दून से है गीय ही कड़ी ॥  
 हर आन ॥ मुसा है सवारी को अजब खूब वेन  
 जीर ॥ क्या खूब कान पञ्जे और दुम है दिल पि  
 जीर ॥ खाते हैं मोती चर के चञ्चल वड़ी शरीर ॥  
 दुख दर्द को हरता है दिल को बंधावे है धीर ॥ हर  
 आन ॥ वीमे मिला के कोई जो चढ़ाता है आसि  
 न्दूर ॥ सब पाप उस्के डालता एक दम के बोच चूर ॥



फूलों विरञ्चशीसपै दीपक को रख कपूर ॥ जो म  
 नमें होवे दृच्छा फिर क्या है उससे दूर ॥ हर  
 आन ॥ जु नार है गले में एक नाग जो काला ॥  
 फूलों के हार डह डहे और मोति किमाला ॥ वे है  
 गे अजब आन से शिव गौरी के लाला ॥ सुरनर वो  
 मुनि भि कहे ते हैं दीन दयाला ॥ हर आन ॥ सन  
 कादि सूर चन्द्र खड़े आरती करें ॥ और से सना  
 ग गन्ध की ले धूप को धरें ॥ नारद बजावें वीन इन्द्र  
 चौवर लेढ़रें ॥ चारो वदन से अस्तुति ब्रह्मा जो  
 उच्चरें ॥ हर आन ॥ जङ्गम अतीत जो गिज तो  
 ध्यान लगावें ॥ सुरनर मुनी ससिद्वसदांसिद्धि को  
 पावें ॥ और सन्त सुजन चरन की रजसी सचढ़ावें ॥  
 वेद पुरान ग्रन्थ जो गुन गाय मुनावें ॥ हर आन ॥  
 जो जो सरन में आया है कीन्हा उस से सनाथ ॥ भौ  
 सिन्ध से उतारा है दम्भे पकड़ हाथ ॥ यह दिल से  
 ठान अपने और छोड़ सब का साथ ॥ तू भी जु शिरी  
 चरनो मे अपना भुका के साथ ॥ हर आन ध्यान  
 की जिधे सुमरन गने सजी ॥ देवै गे कृद्विसिद्धि  
 ओ अनधन गने सजी ॥ १ ॥



लगया ॥ खरचीकेपैसांकोदेखउस्काभिजीठल्  
 गया ॥ फिरतोपलंगपरअजबअैशमजापल्  
 गया ॥ उस्कायहनखरागजवदिल्कोमेरेछल्  
 गया ॥ छोडमुभेमेमुईमेराजिगरहिल्गया  
 आहधरनहटगयीऊहनलाटल्गया ॥ वहतो  
 कहतीथिशोखदिल्मेवडीपहलवान ॥ पहलेहि  
 लिपटन्तमेहानेलगीकुस्तियां ॥ क्याहिजो  
 बिस्मेदियेफिरतोवहहरएकआन ॥ नाकच  
 ढाभौंमडोडकहेतिथीहयहयमीयां ॥ छोडमु  
 भे॥ उस्कितरफसेजोवहलातआघूंसेचले ॥ ह  
 मभीवहआययारथेएकनगिनतेरहे॥ जवऊई  
 बेवसतोफिरहारकेकहनेलगी ॥ जाननिकल्  
 जायगीभैतेरेसदकेगई ॥ छो ॥ दांवलियाजिस  
 वडीहमनेलगायाउस्कोहाथ॥ फेरयहघूंसेचले  
 औरनकुंहनीनलात ॥ ऐशकेवक्नोंकोदेखकह  
 तिथीहरदमयहवात ॥ पांवमे रखपांवकोहा  
 थमेरखउस्काहाथ ॥ छो ॥ जैसैकहातेथेवहअ  
 पनेशहरमेपहाड ॥ वैसेहिहमभीगएउस्मे  
 लिपटछेडकाड ॥ घातपरउस्कोचढ़ाजिसूघ



डीडालालताड़ ॥ फेरतोउसीतौरकीहोनेल  
 गीतोबाहधाड़ ॥ छो ॥ वहतोफिरएकआन  
 मेकहतेथेतवकीकला ॥ हमनेभीफिरघात  
 काजीदियाउस्परचढ़ा ॥ थामकमरखाकेजो  
 शएकदोधकादिया ॥ तवतोतड़फ़करकेशोख  
 बोलीयेहीगुल्मचा ॥ छो ॥ उस्कातोवहया  
 दथामकरदगासौहज़ार ॥ वारजोकरतेथेव  
 हदेतिथिहरदमउतार ॥ फिरतोलगाजिस  
 वड़ीअग्नकेघरइतनावार ॥ फिरतोवहएक  
 वारगीबोलियहीचीखमार ॥ छो ॥ ठहरेजो  
 उसशोखपरऐशकेयहठवओढ़ुं ॥ उस्कीतर  
 फ़सेनहीअपनीतरफ़सेकिज्जुं ॥ तवतोवहगु  
 स्मेमेआकहनेलगीफिरजबुं ॥ क्यामुझेमारै  
 गादिल्चल्तुझेसदकेकरुं ॥ छो ॥ शामसेले  
 सुवहतक्फिरतोयहठहरीज्जुम ॥ वहतोग  
 रूकांपकांपहमभीगयेभूमभूम ॥ क्याहीनजी  
 रअशकीरातकोठहरीरसूम ॥ दीदपहरदिन्  
 तलकरहिदूसनखरेकीधूम ॥ छोडमुझेमैं



मुई मेरा जिगर हिल गया ॥ आहें धरन हट गई  
जहन लाट ल गया ॥ ३ ॥

जब से तिदिल्य हमे राइ शुक का बीमार ऊ  
आ ॥ सब रसे हो के जु दाता लवे दीदार ऊ आ ॥  
कुछ दवाई न लगी यार के मिलने विन उसे ॥ गो  
याइ सु दर्द कानुख साल वे दिलदार ऊ आ ॥ कु  
छ न तक सीर तेरी मैंने किया था जालिम् ॥ क्यों  
खुफा मुझ से तु अयशोख सितम गार ऊ आ ॥ हा  
ल ऐसी का तो अवतर है तेरे हिज्ज से हाय ॥ यारो  
दुश्मन मेरे इंसजी कामे रायार ऊ आ ॥ ४ ॥

हमने एकर शुक के कमर यार किया है पैदा ॥  
माहे रुमु शतरि दीदार किया है पैदा ॥ जाजरा  
ऊ ल के टेले मे खबर दे दी जो ॥ एक परी रोयां का  
सरदार किया है पैदा ॥ सीमत न गुच्चे दहन् ला  
ल रुख औ गुलन्दाम ॥ मुश्क बूना फये तातार  
किया है पैदा ॥ बाग मे जा के जरा मुज्द एशा  
दी देना ॥ बुलबुलो सफये गुल्जार किया है  
पैदा ॥ बेचते हो जो अगर दिल को तो लावो अ  
सी ॥ दुंढ के हमने खरीदार किया है पैदा ॥ ५ ॥



काखूबआपड़ाहैयहवक्तोखालतेरा ॥  
 इसेऊआहैदूनाऊखोजमालतेरा ॥ रुखसा  
 रमिस्लेगुल्केऔरहैदहनहैगुज्जे ॥ भज्म  
 अचमनहैनाजुक्निहालतेरा ॥ आंखोंसेखूं  
 वहावैशरमिन्दगीसेअपने ॥ कबकेदरीजोदे  
 खेजाहेरयहचालतेरा ॥ आशक्सेहैजुदाई  
 गैरोंसेमिल्केचलना ॥ अयचक्षुबेवफारहेगाक  
 ब्तक्यहहालतेरा ॥ आखरकोआशकोंकेऊ  
 परभीटुक्रहमकर ॥ यहअैशहीदीवानाहै  
 पायमालतेरा ॥ ६ ॥

गोचारतीरतूदैपैमरैखड़ेखड़े । वह  
 मर्दहैजोचीराउतारैखड़ेखड़े । आकरके  
 मारखानएउत्पतमेंक्याकिया । एकनकुद  
 दिल्थाउस्कोभिहारेखड़ेखड़े । जायनशस्त  
 गर्चेमकानेरकीवहै । होजाहमारंपासभी  
 प्यारेखड़ेखड़े । तूगर्मैएकतिलातथागैरोंसे  
 रातहम् । रोतेथेमिस्लेशमांकिनारेखड़े  
 खड़े । मानिन्दजकरपाकेतेरेसलूतनतमे  
 थार । सिरपरहमारैचलगयेआरेखड़ेखड़े।  
 तुआकेदेखवारैकिहैसिरकोफोडते । उस



शोखते रे कूँचे मे सारे खडे खडे । कर जङ्ग  
लो अब तो शैर कदम के दर खत की । गर देखते  
हैं तुझ को सुपारे खडे खडे । साहव करां इजा  
जत् हमे हो निशस्त की । दुखने लगे हैं प्रांवह  
मारे खडे खडे ॥ ७ ॥

वह जब मै पी के गुलजारौ मे लोटा । चमन हसर  
त से अङ्गारौ मे लोटा ॥ दिल उस्की देख पाजे  
वां को गश हो । ठुमक चालौ की भनकारौ मे लो  
टा । नकुल कै क्यौं कि आखों के कटोरे । गया दि  
ल का दिल आजारौ मे लोटा ॥ पलंग पर चांदनी  
में कर वटों से । वह जौं जौं वड़ी और हारौ में लोटा ॥  
वह आलम देख उस्का दिल मे महताव । सहर  
त कर स्कसे तारौ में लोटा ॥ लड़ा अब रुकी शम  
शे रौं से जब दिल । तो उस्के इस तर हवारौ में  
लोटा ॥ कहीं रावत सफे मै दामें घिर कर ।  
फिरे हैं जैसे तलवारौ में लोटा ॥ चमन की सै  
र मे क्या क्या नजीर आज । नशे पी पी के मै खारौ  
मे लोटा ॥ ४ ॥ खाह जलाया खाक बनाइ सद  
र पर प्यारे बैठे हैं । बेक सबेब सहोकर अब तो  
तेरे सहारे बैठे हैं ॥ अपने दुश्क की बाजी मे



क्या पूछे है अयमी रबिसात । एक तु ही तो जीता  
 है और हम सब हारे बैठे हैं ॥ देखा खत के आते  
 ही उडग एयारज बानी हो काफूर । थे जो तु ह्मा  
 रे दिल के प्यारे चाहने हारे बैठे हैं ॥ आह कौं  
 न सी जिद जालिम टुक तो खुदा से डर साकी । और  
 र तो पीपी उठ भिगए हम हाथ पसारे बैठे हैं ॥  
 गैर तो उल्लेखूं वे मे दिल गाद फिर हैं ॥ और हम  
 आह ॥ है वत खाए सिर को भुकाए चुप मन मारे  
 बैठे हैं ॥ हर सा अत मुझ खाक नशी को देख कर  
 अपनी मजलिस में हंस कर ताज वस्त्र कहता है हां  
 आप भी वारे बैठे हैं ॥ दिल तो खफा हो उस्की ज  
 फा से कहता है अब उठ चलिये । लेकिन है कुछ  
 शर्म बफा जिस लाज के मारे बैठे हैं ॥ अब तो नहीं  
 कुछ जी के सिवा क्या लेके उठे अलशोख रसाल ।  
 हम तो अपना सब रदिलो दीप हले हि वारे बैठे  
 हैं ॥ सहने च मन से खूबां का ग्या जोर है जल सा  
 आज न जीर । देख तो चल कर क्या क्या ऊँख के  
 राज दुलारे बैठे हैं ॥ ५ ॥

साकि बहार आई और जोश है गुलों का ।  
 लाजा मभर के सुनले टुक शोर बुल बुलों का ॥ दि



ललेकेतौहमारामिलतानहींखुशीसे । शिक  
 वाकरूंमेंक्याक्याउस्केतोगाफिलौंका ॥ एक  
 दिनवहशोखगुलरूम'हपासमेरेलाकर ।  
 बालाकिलेलेबोसाइनऊखकेगुलौंका ॥ मुह  
 देखदेखउस्कामैनेकहाकिप्यारे । समझाहूंमै  
 तुम्हारेअन्दाजचोंचलौंका ॥ रुखसारकातो  
 बोसाजिनहारमैनलूंगा । इनकाअदबनर  
 खनाहैकामजाहिलौंका । ऐसाहिगरहैदे  
 नातोदीजियेलबोंसे । बोसालबोंकालेनाहै  
 कामकामिलौंका ॥ तबतोनजीरहंसकरबो  
 लाकिवहमसलहै । यानेकैगुडतोखावेंपर  
 हेजगुलगुलौंका ॥ ६ ॥

जहांकदउस्काहैजलवेफरमातोसबव्हांकि  
 सहिसावमेहै । वहकामतऐसाहैकुछकयाम  
 तकयामतउस्कीरिकावमेहै ॥ यहसबगलत  
 हैजोयोंहैंकहतेकिउस्कामुखडानकावमेंहै ।  
 नकावक्याहैवहशर्मगीतो नकावसेभीहिजावमें  
 है ॥ वहगोरापिण्डाऔरउस्सेसुरखीमगर  
 खुदानेलेसिरसेतापा । कियाहैमैदातोमोति  
 योंकाऔरउस्कोगंधाशहावमेहै ॥ चमकजो



मुखडेकिदेखउस्कोतोहमनेअपनेयहदिलमेंजा  
ना ॥ इसीकेपरतोसोमःहैरौशनइसीकानूर  
आफतावमेहै ॥ अगरहैमहबूबवालासकामे  
तोहूंभीदेखेगेउस्कोजाकर ॥ गरजवहजि  
स्काकिनामदिलहैयहधुनउसआलीजनावमे  
हैं । जोगुस्सेहोकरवहदेवेगालीतोइसअदा  
सेकिहमतौक्याहैं फरिस्तःगशहोकैलोटा  
वैयहलुत्फउस्केआतावमेहैं ॥ बंधाहैजबसे  
खयालउस्काअजबतरहकीलगनलगीहै । क  
मीवहदिलमेकभीजिगरमेकभीवहचश्मपुरआ  
वमेहैं ॥ नजोरसीखेसेइल्मरसमीवशरकिहो  
तीहैंचारआखें । पढेसेजिस्केहोंलापआंखेंय  
हइल्मदिलकीकितावमेहै ॥ ७ ॥

नजरपड़ाएकबुतेपरीवशनिरालीसजधजनई  
अदाका । जोउम्रदेखीतौदसवरसकीयःकह  
रआफतगजवखुदाका ॥ जोघरसेनिकलेनौ  
यहकयामतकिचलतेचलतेकदमकदमपर ।  
किसीकेचुटकीकिसीकेकुहनीकिसीकेठोकर  
निपटलड़ाका ॥ यहरमज्यहवहशतयहदूरखि  
चनायहनंगआशिककेदेखनेका । जोपातखड़



केहवासेआकरतोसमभेखटकामिगहकेपाका  
 गलेलिपटनेमेंयहशिताबीयहदूसरावीकिमि  
 सलेबिजली । इधरजोचमकाचमकचमकक  
 रउधरजोलपकातोफिरभपाका ॥ नवहस  
 न्हालाकिसीकासन्हलेनवहमनायामनेकिसी  
 से। जोकत्लेआशिकपरआकेमचलेतौगैरका  
 फिरनआशनाका ॥ यहराहचलनेगेअचप  
 लाहटकिदिलकहींहैनजरकहीहै । कहां  
 काजंचाकहांकानीचाखयालकिस्कोकदमकि  
 जाका ॥ यहचंचलाहटयहचुलबुलाहटखवर  
 नतनकीनसिरकीसुधबुध । जोचीराबिखरा  
 वलासेबिखरानबन्दवांधाकभोकवाका ॥ लड़ा  
 वेआखेंयहवेहिजाबीकिफिरपलकसेपलकनमा  
 रे । जोनजरनीचीकरैतोगोयाखिलसरापा  
 चमनहयाका ॥ जोशत्कदेखोतोभोलीभो  
 लीजोवातेसुनियेतोमीठीमीठी । पैदिल  
 बहपत्यरकिसिरउडादेजोनामलीजेकभीवफा  
 का ॥ नजीरछिपजाकहींसरकजाबदलेसूरत  
 छिपालेमुहको । जोदेखपाताहैमरवहजालि  
 मतोयारफिरहैअभीभडाका । ८ ।



जब मैं सुना कि आपका दिल मुज से हट गया ।  
 मुन ते ही इस्के मेरा कलेजा उलट गया ॥ छीना  
 था दिल तो चश्म ने लेकिन मैं क्या करूं । ऊपर ही  
 ऊपर उस फेमिज गांभे बट गया ॥ ऐसी तो भा  
 री कौन सी हम से ऊँई खता । जिस्से यह जी उदा  
 स ऊँआ दिल उचट गया । आंखें तुम्हारी क्या  
 फिरीं हम से कि इन दिनों । सच पूछिये तो हम  
 से जमाना पलट गया ॥ हम तो तुम्हारी चाह के  
 दिल से गुलाम हैं । यह कह के जब मैं उस के गले  
 से लिपट गया ॥ कितना ही उस ने मुज को छुड़ा  
 या भिडक भिडक । पर मैं तौ घुप चिबांध के उस  
 से चिमट गया ॥ यह कह के शमवे कशा ऊँई तौ गरै  
 बां मेरा दूधर । दुकड़े ऊँआ और उस्का दू पट्टा  
 भी फट गया ॥ आखिर इसी बहाने मिलायार से  
 न जीर । कपड़े बला से फट गए सौदा तो पट  
 गया ॥ ६ ॥  
 जो बैठी सोसनी जो डे से बह दूक आन कोठे पर ।  
 तो क्या क्या ऊँख की फूली है नाफरमान कोठे पर  
 मेरा दिल बांभ पर देख उस्को यों कुरवान होता है ।  
 कबूतर जैसे फिरता हो कहीं गिरदान कोठे पर ।



निगहकेतारसेलटकाखटोलादिलकीउलफत  
 का । कभीतोखेंचलोहमकोभीतुमअयजानको  
 ठेपर ॥ तुमारीमिहरबानीकेसबबसेआजतो  
 प्यारे । हमाराभीनिकलजावेजराअरमान  
 कोठेपर ॥ यहसुनकरबहपरीबोलोमियांच  
 लराहलेअपनी । इन्हीबातोंमेकितनोंकीगईहै  
 जानकोठेपर ॥ कोईआबुलहवसयहांअपने  
 मतलबकोनहींपज्जंचा । ऊईहैसैंकड़ोंसेजान  
 औरपहचानकोठेपर ॥ नजीरइसतरहजी  
 जातेरहेहैंयारकितनोंके परीजादोंकेकुछ  
 चढ़नानहींआसानकोठेपर ॥ १० ॥

अजबठबसेचमकताहैंबहवालाउस्कावा  
 लासा । किहरएकभोकमेहोताहैबिजली  
 काउजालासा ॥ वहवालाहीनहींकुछदिल  
 कोभटकावेमेंडालेहै । जोदेखाखूबतोवाली  
 भीबतलातीहैहैवालासा ॥ वहवालासाकदउ  
 स्काऔरबहवालाकानकायारो । करेहैउसप  
 रीकेबालेजोवनकोदुवलासा ॥ नभुसकौंहीं  
 कीभोंकतीरसीलगतीहैसीनेपर । करनफू  
 लौकीनोकेंभीलगाजातीहैभालासा ॥ कयाम



तकामतौमे' ऊँ स्तकीवालावलुं दीमे । नजरआ  
ताहै उस्काही सुभेकुछबोलवालासा ॥ सुभे  
कलइत्तिफाकनदेखउसऐयारनेपूछा ॥ किते  
रीचस्सेबहताहै औआतिशकानालासा ॥  
अगरचाहे वहहमकोदाममें लावेतोक्याकु  
दरत ॥ कहांहमऊँ स्तकेशेरऔरकहांमक  
डीकाजालासा ॥ किसीनेकहदियाउस्सेनजी  
रइस्कोही कहतेहैं ॥ परोंपरआजपरियोंके  
हैजिस्काइशककालासा ॥ वहगोरासाबदन  
औरचांदसामुखडामीहोताहै ॥ तोहांयह  
शख्सभीरहताहैउस्केपासहालासा ॥ वहे  
जोखूबरूहैंइस्सेबहडरतेहैंतुमक्याहो ॥ तुं  
म्है तोजानताहैएकहलवेकोनिवालासा ॥ इ  
सैहलवानसमझोतुमअजीसाहकवयामतहै ॥  
यहठिगनासायहदुबलासायहसूखासायहका  
लासा ॥ ११ ॥

सबतरहकाफीहैकैदउसजुल्फकेतंजीर  
की ॥ सुजदिवानेकोनहींहाजतकुछअवजंजी  
रकी ॥ हैजोउसचंचलकीतिरछीसीकनखि  
योंकीनिगाह ॥ आनरखतीहैवहकाफिरबाज



गशतीतीरकी ॥ सुहृतांसेकसदथापरवारोह  
 मनेएकदिन ॥ यारकेघरजाकेठहराईजिया  
 फतखीरकी ॥ किशमिशोपिस्तेचिरोंजीकन्द  
 मिसरीऔरगुलाब ॥ कीसंगाकरखूवतैयारी  
 बिरंजोशीरकी ॥ उसजियाफतकीखबरजिस  
 दमरकीबानेसुनी ॥ फट्गईछातीयहसुनतेही  
 रएकवेपीरकी ॥ बोझसेगमकेउन्हेंआयाछ  
 ठीकादूधयाद ॥ वोहीसबनेजलकैआपसमें  
 यहीतदवीरकी ॥ यानेऐसाहोकिइसकीखी  
 रकोदलियाकरैं ॥ कहकैयहऔरजाकेउसदि  
 लवरसेकुछतकरीरकी ॥ बहतौआताथाबले  
 उनकाफिरौंनेयकबयक ॥ जाकेमरजीफेरदी  
 उसजुलकीतसवीरकी ॥ उसकोबहाराका  
 उधरऔरआपआएमेरेपास ॥ सबनेकुछअ  
 पनीशरारतमेंनधीतकसीरकी ॥ यौंलगेकह  
 नेमुझेवहतोनहींआनेकाआज ॥ आसटूटीज  
 वतोसुनमुजआशिकेदिलगीरकी ॥ उसघड़ी  
 ऐसामेरेएकआहकाखलाउठा ॥ बारमेरी  
 आहनेकुछइसकदरतासीरकी ॥ जोयकाय  
 कयारमेरेपासआपजुं'चानजीर ॥ वेतौद



लियाकर चुके थे फिर खुदाने खीर की ॥ १२

किधर है आज इलाही वह शोख कल बलि  
या ॥ किजिस्को गम से मेरा दिल ऊँ आ है बा बलि  
या ॥ तमाम गैरों के हसरत से रङ्ग उड जाते ॥  
जो आज घर से निकलता मेरा वह साँव लिया ॥  
तुझे खबर न हीं बुलबुल कि बाग से गुलचीं ॥ ब  
डी सी फूलों की एक भर के ले गये डालिया ॥ खुदा  
के वास्ते समझोन इस्को कोठी वाल ॥ फरे वदेता  
है तुम को यह बुलबुल बस टलिया ॥ नजीर यार  
की हमने जो कलजिया फत की ॥ पकाया कर्जम  
गाकर पुलाव और कलिया ॥ सोयार आपन आ  
यार की बको भेजा ॥ हजार है फहम ए से न सीव  
के बलिया ॥ इधर तो कर्ज ऊँ आ और उधर न  
आया यार ॥ पकाई खीर थी कि समत से होगया  
दलिया ॥ १३ ॥

जिन दिनो यह जलवे फरमाँ वह सीतमई  
जो दया ॥ हरम काँहर शोर हर जामा हर शरेफ  
रिया दया ॥ खल्क मे आवा दया यह त कह मारे  
दिल का शहर ॥ हरमाहल्ला जिस्कार शकेशा  
जहाँ नावा दया ॥ खूब खूबों के चले आते थे पै गा



मोसलाम ॥ कुछकिसीकाऊँकमथाऔरकुछ  
 कहींदूरशादथा ॥ एकहीचक्ररदियाऐसाफलक  
 नेआनकर ॥ जोवहआलमएकपलकहिलने  
 मेसववरबादथा ॥ दोमुसद्विरखैवनेआएथेत  
 सवीरउस्कीकल ॥ लोगकहतेहैंकि एकमानी  
 थाएकबिहजादथा ॥ देखतेहीउस्कीसूरतसि  
 रभुकाकररहगए ॥ गरचेअपनेकाममेंएक  
 वहउस्तादथा ॥ जबकोईबोलाकिखैचोयोंपु  
 कारेमरकेआआह ॥ वहभीभूलेमहरवांआ  
 गेजोहमकोयादथा ॥ खूबखुथाकौनसाजिस्मैन  
 योकुछहमसेराह ॥ जोशिकारअफगन्यापह  
 लेअपनावहसैय्यादथा ॥ करगयापांभालको  
 होदस्तएकदमनजीर ॥ अबखुदाजानेकिव  
 हमजनूथायाफरहादथा ॥ १४ ॥

उस्कोतनहाजोकहींपाइयेऔरसोरहि  
 ये ॥ फिरतौक्याऐशकीठहराइयेऔरसोरहि  
 ये ॥ गरवुहनाजुकबदनआवेतोपलंगपरयारो ॥  
 पत्नियांफूलोंकीबिछवाइयोऔरशोरहिये ॥  
 ऐशअशरत्कासवअसबावमुहैयाहैमियां ॥  
 अवयहीदेरहैबसआइयेऔरसोरहिये ॥ ग



रमिलैताककीछाहैंतो नशेपीपीकर ॥ लोटि  
 ये ऐं डिये अंगड़ाइये और सोरहिये ॥ बल्के अय  
 जान भलायह भी कोई जिद है आह ॥ एक तो  
 रात ठले आईये और सोरहिये ॥ क्या मजा हो  
 जो कभी यार के तलु एसहला ॥ जंघते जंघते भु  
 कजाइये और सोरहिये ॥ वह भी एक सैर है  
 जो यार को चोरी से बुला ॥ खौफ से कांपिये धर  
 इये और सोरहिये ॥ झुठी अंगड़ाइयां जो लेते  
 हो आंखें मलमल ॥ बस जी मालूम ऊँ आजाइ  
 ये और सोरहिये ॥ साकी कहता है मुझे अब तो  
 न मे है न गजक ॥ हां मैं हाजिर ऊँ मुझे खाइये  
 और सोरहिये ॥ यार गैरों से मिलामुर्ग मुवा  
 रख हो दिल ॥ जहर मंगवाइये और खाइये औ  
 र सोरहिये ॥ नींद आने की नहीं यार तो रूठा  
 है न जीर ॥ चल के अब उस्को मना लाइये और  
 सोरहिये ॥ १५ ॥

शवे फुकत मे जो चाहूँ कि जरा सोने दे । आ  
 हय हइ शक वह काफिर है यह क्या सोने दे ॥ सु  
 न कै अफसांन एजासों जमेरा जालिमने ॥ थोंक  
 हादुर हो चल सिर नफिरा सोने दे ॥ चांदनी रा



तहै और सहने च मन है प्यारे ॥ इस मजे में तू न  
 हो मुज से जुदा सोने दे ॥ शाम से यार जो सोया  
 या खुमार आलूदः ॥ सुबह को मैं ने जगाया तो  
 कहा सोने दे ॥ जब मैं तलुआ को जरा मल के य  
 ह की अर्ज कि जान ॥ दोपहर दिन तो चढ़ता वे कु  
 जा सोने दे ॥ सुन के यह हो के गजब नींद में भु  
 भला के कहा ॥ मार वैठुंगान कर मभ को ख  
 फा सोने दे ॥ आंख लगती ही न हीं इशक मे क्या  
 की जे न जीर ॥ हम तो बहुते राही सो वें जो खु  
 दा सोने दे ॥ १६ ॥

रहैं हैं अब तो पास उखोख के शामों सहर  
 मोती ॥ जवीं पर मोती और वे सर मे मोती मांग  
 पर मोती ॥ इधर जुगनू मे और कुछ बालियाँ मे  
 जल वे गर मोती ॥ भरे हैं उस परी मे अब तो या  
 रो सर व सर मोती । गले मे कान मे नथ मे जिधर  
 देखो उधर मोती ॥ कोई उस चांद से माथे के टी  
 के मे उछलता है ॥ कोई वुंदौ से मिल कर कान  
 के नर में मे पलता है ॥ लिपट कर धुक धुकी से  
 कोई सीने पर म चलता है ॥ कोई भुमकों मे भु  
 ले है कोई बालों मे हिलता है ॥ यह कुछ लज्जत है



जब अपना छिदाते हैं जिगर मोती ॥ कभी वह नाज  
नीहं सकर जो टुकवाते बनाती है ॥ तो एक एक  
बात में मोती को पानी कर बहाती है ॥ अदामे  
नाज में चञ्चल अब आलम दिखाती है ॥ वह  
सुमरन मोतियों की उंगलियाँ में जब फिराती है ॥  
तो सदके उस्के होते हैं पड़े हर पोर पर मोती ॥  
कभी जो बाल अपने में वह भोती परोती है । न  
जाकत से अरक्की बून्द भी मुखड़े को धोती है ॥  
बदन भी मोती और सिर पांव से पहने भी मोती है  
सरापामोतियों का फिर तो एक गुच्छा वह होती  
है ॥ कि कुछ वह खुशक मोती कुछ पसीने के वे  
तर मोती ॥ वें का फिर अखड़ियां दिल जिस्के ह  
रदम जुलम सहता है ॥ सफाई और झलक का  
उन में एक दरया सा बहता है ॥ जो कोई उसको  
देखे है तो बस फिर देख रहा है ॥ । अगर क  
हता है कुछ दिल में तो है रां होय ह कहता है ॥ य  
ह आंखें हैं इलाही या भरे हैं कूट कर मोती ॥ ग  
लत है उस लवेर डी को वरगे गुल से क्या नि सबत  
कि जिस की है यकी को यमनि आया कूत में शुहर  
त । उदाहट कुछ मिसी की कुछ वह उस पर पान



कीरंगत ॥ वह हंसती है तो भ्रम के है जबाहेर  
 बान एकदरत ॥ इधर लाल और उधर नीलम  
 इधर मरजा उधर मोती । गले मे उस्के जिस द  
 म मोती यों के हार होते हैं ॥ चमन के गुल सब उ  
 स्के वस्त्र मे मोती पिराते हैं । नतन हार शक से श  
 बनम के कतरे दिल मे रीते हैं ॥ फलक पर देख  
 करता रे भी अपना होश खोते हैं । पहन कर जिस  
 घड़ी बैठे है वह रश के कमर मोती ॥ शफक् मे इ  
 त्ति फाकन जसे सूरज डूब कर निकले ॥ वह या  
 अरे गुलाबी मे कहीं विजली चमक जावे ॥ वयां  
 हो कि स्तर हयारी अब इस आलम को क्या कहिये  
 तब स्मृम की फलक मे यों चमक जाते हैं दनत उस्का  
 किसी के यक वयक जिस तर ह जाते हों बिखर मो  
 ती ॥ वह गहना मोतियों का आह और कुछ तन  
 वह मोती सा ॥ और उस प मोतियों के हार बाजु  
 वन्दा और गजरा ॥ सरा सर जेब जीनत मे वह आ  
 लम देख कर उस्का ॥ जो कहता हूं अरी जालिम  
 टुक अपना नाम तो बतला ॥ तो हंस कर मुज से  
 यों कहती है वह रश के कमर मोती ॥ कड़े तो डेछ  
 डे पाजे बजबंजव आपस मेल डते हैं ॥ तौ हर भ



नकारमें किस किस बहारों से भगड़ते हैं । हरे  
 कदिल से बिगड़ते हैं हरे क के जी में अड़ते हैं । क  
 डे सोने के क्या मोती भी उसके पांव पड़ते हैं । अग  
 र बावर न ही देखें हैं उसकी कफ़ पर मोती ॥  
 खफ़ा होइन दिनों कुछ रूठ बैठी हैं जो मपर वो ।  
 तो उसके गम में जो हम पर गुजरती है सो मत पूछो ।  
 चले आते हैं आंसू दिल पड़ा है हिज्ज में गश हो ।  
 वह दरया मोतियाँ का हम से रूठा हो तो फिर या  
 रो । भला क्यों कर नवर से वेह मारी चप्पल तर  
 मोती ॥ हमे क्यों दरपरी जादों से बोसों के न  
 ही लहने । जड़ाऊ मोतियों के इस गजल पर  
 बारि योग देने । सखुन की कुछ जो उसके दिल में  
 है उलफ़त लगी रहने । नजीर इस रेखते को  
 सुन वह हंस कर यों लगा कहने । अगर होते  
 तो मैं देती तुम्हें एक थाल भर मोती ॥ १७ ॥

अपने गम खारों से ऐ कोई आन हंस ले बोल ले ॥  
 दर्द मंदौं कानि काल अरमान हंस ले बोल ले । फि  
 र कहां यदि लवरीय है आन हंस ले बोल ले । दम  
 गनीमत है अरे नादान हंस ले बोल ले ॥ मा  
 न ले कहना मेरा अथ जान हंस ले बोल ले । ऊँ



यह दो दिन का है मेहमान हंस ले बोल ले ॥ अब  
 तो तुज को हक ने दी है ऊँखूबी की बहार । चा  
 हने बालों से कर ले कुछ सलूक और महज प्यार ।  
 कौंध का बिजली की और जो बदन कामत कर दूँ अ  
 तवार । काठ की झांडी न हीं चढ़ती है प्यारे बार  
 बार ॥ मान ले ॥ है जो अब चेहरे पै तेरे ऊँखू  
 खूबी की भूमक । खाह तू हंस बोल हम से खाह  
 गुस्से हो भिड़क । आह जब जाती रहेगी यह  
 चमक और यह भूमक । फिर जो तू बोलेगा ह  
 र एक यों कहें गा चलन बक ॥ मान ले ॥ या तु  
 भेखूबी हमारा हाले दिल कहें तीन हीं । या हम  
 री चाहते रे नाज को सहती न हीं । आह खोती  
 ऊँखू का फिर कीहरी रहती न हीं । नाव का  
 गज की है प्यारे यह सदा बहती न हीं ॥ मान ले ॥  
 कौन सा है ऊँखू वाला आज तू मुझ को बत । जि  
 स की खूबो का हमेशः एक सा आलम रहा ॥ क्यों  
 खफा होता है इस को या दरख अय दिल रुबा ।  
 हाथ फिर आता न हीं का फिर यह जो बदन जब ग  
 या ॥ मान ले ॥ कैसे कैसे खूब रुझां हो गए हैं  
 मेरी जां ॥ अपने गम खा रो से क्या कर गए हैं



विया । तू जो हम से रूठा रूठार होता है नामि  
 हरवां ॥ देख पछतावे गागा फिल ऊँख पर मत  
 कर गुमां ॥ मान ले ॥ अव तो यह आशिक का सि  
 र और प्यारे तेरा पांव है । मिन्न ते होती है औ  
 र तेरे नही कुछ भांव है । यह जो म असू की का  
 सिक्का आज तेरे नांव है । भूल मत दूस पर मियां  
 यह ठलती फिरती छांव है ॥ मान ले ॥ दिल  
 गरीवां के जो प्यारे तुझ से अब दुख पायंगे । एक  
 दिन तुझ को भी खूबां यौं हि दुख दिखलायंगे ॥  
 बात के कहने को दे दे भिड कियांतर सांयंगे । पा  
 गड़े जी पछतायंगे आखिर चने की खांयंगे ॥ मा  
 न ले ॥ अपने अपने वक्त मे क्या क्या ही गुल रूव  
 न गए । चांद से टुक डेर है प्यारे न गुल से तन  
 रहे । ना कि सी का धन रहे और ना कहीं जो  
 बन रहे । ना सदा फूले तूर ई और ना सदा सा  
 बन रहे ॥ मान ले ॥ ऊँख का आलम सितम  
 गर हर घड़ी मिलतानहीं । गुल्मी खिलकर  
 एक बार अय जान फिर खिलतानहीं । मुझ से  
 तेरा रूठना दम दम का अब भिलतानहीं । दूध  
 और दिल जब फटा प्यारे तो फिर मिलतानहीं ॥



मानले ॥ अवनजीर आगे ते रे रहता है हाजि  
 र सुबह शाम । धार से हंस बोल धारे पीम  
 एक उलफत के जाम । फिर कहाँ यह ऊँख और  
 यह इश्क सब बातें तमा म । कुछ न रहवे गारहे  
 गा आखर श अल्लाः कानाम ॥ मानले कहना मे  
 रा अय जान हंस ले बोलले । ऊँख यह दो दिन का  
 है महमान हंस ले बोलले ॥ १८ ॥ दुनियाँ अजब बा  
 जार है कुछ जिन सच्चां की साथ ले । नेकी का दरजा  
 नेक है वदवदी की बात ले । आराम दे आराम ले आ  
 फात दे आफात ले । मेवा दिये मेवा मिले फल फूल  
 दे फल पात ले । कल जुग न हीं कर जुग है यह सच्चां  
 दिन को दे और रात ले । क्या खूब सौ दान कद है इ  
 स हाथ दे इ स हाथ ले ॥ कांटा कि सी के मत लगा गो  
 मिस्ले गुल्फूला है तू । वह ते रे हक् मे तीर है किस  
 बात पर भूला है तू । मत आग में दे और को फिर घा  
 सका पूला है तू । सुनर क्ख यह नुक्ता वे खबर कि  
 स बात पर भूला है तू ॥ कल जुग ॥ चाहै सो ले  
 ले इ स घड़ी सब जिन सच्चां तैयार है । आराम  
 में आराम है आजार में आजार है । दुनिया  
 न जान इस्को मियां दरिया की यह संभधार है ।



औरौं कावेडा पार कर तेरा भी बेटा पार है ॥ क  
 लजुग ॥ शोखी शरारत स करी फन्द सब का बसे  
 खा है यहाँ । जो जो दिखाया और को सो आ  
 प भी देखा है ह्यां । ने की वदी जो कुछ करे स  
 ब का प रेखा है यहाँ । जो जो पड़ा तुलता है ह्यां  
 तिल तिल काले खा है यहाँ ॥ कलजुग ॥ जो और  
 की वस्ती रखे उस्का भी वसता है पुरा । जो और की  
 तो डेधुरी उस्का भी टूटे है धुरा । जो और के मा  
 रे छुरी उस्के भी लगता है छुरा । जो और की  
 चीते वदी उस्का भी होता है बुरा ॥ कलजुग ॥  
 जो और को फल देवेगा वह भी सदा फल पावेगा ।  
 गेहूं से गेहूं जौ से जौ चावल से चावल पावेगा ।  
 जो आज देवेगा यहाँ वैसा ही वह कल्पावेगा ॥ कल्  
 देवेगा कल्पावेगा कल्पायेगा कल्पावेगा कलजु  
 ग ॥ तू और की तारीफ कर तुझ को सनाखानी मि  
 ले । कर मुश्किल आसां और की तुझ को भी आ  
 सां नी मिले । तू और को महमान रख तुझ को भी  
 महमानी मिले । रोटी खिला रोटी मिले पानी  
 पिला पानी मिले ॥ कलजुग ॥ कर ले जो कु



छकरना है अब यह दम्तो को ई आन है । यह  
 सांन मे यह सांन है नुकसान मे नुकसान है ॥  
 तुह मत मे ह्यां तुह मत मिले तूफान मे तूफान है ।  
 शहतान को शहतान है रहमान को रहमान है ॥  
 कल जुग ॥ ह्यां जहर दे तो जहर ले शकर मे  
 शकर देख ले । नेकी को नेकी काम जामूजी को  
 टकर देख ले । मोती दिये मोती मिले पत्थर मे  
 पत्थर देख ले । गर तुभ को यह वाबर न हीं तो  
 तू भी कर कर देख ले ॥ कल जुग ॥ जोहार  
 मे दे और को सो वह भी हारा जायगा । खो बैस हा  
 रा और का उस्का सहारा जायगा । ह्यां आज  
 जिस्के हाथ से कोई मर बिचारा जायगा । गाफि  
 ल न होई सवात से कल वह भी मारा जायगा ॥ कल  
 जुग ॥ गफलत की यह जागै न हीं ह्यां साहिबे  
 इदरा कज्ज । दिलशाद रख दिलशाद जग मना  
 कर खग मना करज्ज । हर हाल मे तू भी न जीर  
 अब हर कदम् की खा करज्ज । यह वह मकां है अ  
 यमियां ह्यां पा करज्ज वेव करज्ज ॥ १६ ॥

टुकहिर्सहवाको छोड मियां मत दे सविदेस  
 फिरे मारा । कज्जा कअजल कालूटे है दिन रात



बजाकर नक्कारा । क्या भैंसा बधिया वैल शूत  
 रक्या गौने पल्ला सिरभारा । क्या गे ऊँचावल  
 मोथमटरक्या आगधुआं क्या अंगार । सब ठाटप  
 डार हजावेगा जब लाद चलेगा बनजारा ॥ गर है  
 तूल क्खी बनजारा और खेप भी तेरी भारी है ।  
 अयगा फिलतु भूसे भी चढ़ता एक और बडाव्यो  
 पारी है । क्या शक्कर मिसिरी कंद गिरी क्या सान्ह  
 रमीठा खारी है । क्या दाख मुनक्का सोंठ मिरच  
 क्या केसर लौंग सुपारी है ॥ सब ॥ तू बधिया ला  
 दे बैल भरे जो पूरब पच्छिम जावेगा । या सूदब  
 ढाकर लावेगा या घाटा बाढ़ा पावेगा । बटमा  
 र अजल्कार स्तेमे जब भाला मार गिरावेगा । ध  
 न दौलत नाती पोते क्या एक मुनगा पास न जावेगा ॥  
 सब ॥ हर मंजिल में अब साथ तेरे यह जित नाडे  
 रांडांडा है । जरदाम दिरम्का भांडा है बन्दू  
 क सिपर और खांडा है । जब नाइक तन कानि  
 क ल्गया जो मुल्कों मुल्कों हांडा है । फिर टांडा है  
 ने भांडा है ने हलुवा है ने माडा है ॥ सब ॥ जब  
 चलते चलते रस्तेमे यह गोंन तेरी ढल जावेगी ।  
 एक बधिया तेरी मट्टी पर फिर चरने घासन आ



वेगी । यह खेप जो तने लादी है सब हिस्सो में वं  
 ट जावेगी ॥ धीपूत जंमाई वेटा क्या बनजार नपा  
 सन आवेगी ॥ सब ॥ क्या नाह कबो भुछ  
 ठाता है इन गौं नौ भारी भारी के । जब का  
 ल लुटेरा आन घड़ा फिर दूने है व्यौ पारी के । क्या  
 साज जडा जर जेवर के क्या गोटे थान किनारी के ।  
 क्या घोडे जीन सुन हरो के । कया हाथी लाल अमा  
 री के ॥ सब ॥ जो खेप भरेतू जाता है यह खेप  
 मियां मत जान अपनी । अब कोई वडी पलसा  
 अतमे यह खेप बदन की है खपनी । कया थाल  
 कटोरा चांदी का कया पीतल का ढकना ढकनी ।  
 कया बरतन सोने रूपे के कया मट्टी की हंडिया चप  
 नी ॥ सब ॥ मगर खर न होत लूबारे पर मत मू  
 ल भरो से ढालों के । सब पत्ता तोड़ के भागेंगे सु  
 ह देख अजल् के भालों के । कया डिब्बे हीरे सो  
 ती के कया ढेर खजाने मालों के । कया बुक्चे ता  
 श मुशजर के कया तख्ते शाल दुशालों के ॥ सब ॥  
 कुछ काम न आवेंगे तेरे । यह लाल जमुर दसी  
 मोजर । सब पूंजी बांट मे बिखरेगी जब आन वनें  
 गी जी ऊपर । कया मसनद तकि ए मुल्क मकां



क्याचौकीकुरसीतख्तछतर । क्रामालखजा  
 नामुल्कमकांदौलतहशमतफौजेलशकर सब ॥  
 यहधूमधडकासाथलियेक्योंफिरताहैजङ्गलज  
 ङ्गल । एकभुनगापासनआवेगामौकफुज्जआ  
 जवअन्नऔरजल् । घरबारअटारीचौबारे  
 क्राखासातनसुखक्रामल्मल् । क्याचिलवन  
 तकियेरेशमकेक्यालालपलंगस्यारंगमहल ॥  
 सब ॥ क्यौंपुखतमकांवनबाताहैहैखंभतेरेतन  
 कापोला । तूजंचीगढीउठाताहैह्यांगोरग  
 ढेनेसुहखोला । क्यारेवनीखन्दकरन्दबड़ाक्या  
 कोटकंगूराअनमोला । क्याबुर्जरेंहकलातो  
 पकिलाक्याशीशादारूऔरगोला ॥ सब ॥ जव  
 कालफिराकरचावुककोयहबैलवदनकाहांके  
 गा । कोईनाजसमेटैगातेराकोईगोनसिये  
 औरटांकेगा ॥ होढेरअकेलाजङ्गलमेंतूखाकी  
 लहदकीफाकेगा ॥ उसजङ्गलमेजवआहनजी  
 रएकभुनगाआंननकांकेगा ॥ सबठाठपड़ा  
 रहजावेगाजबलादचलेगावनजारा ॥ २० ॥  
 यहपैठअजवहैदुनियाकीऔरक्याक्याजि  
 न्सइखट्ठीहै ॥ ह्यांमालकिसीकामीठा



है और चीज किसकी खट्टी है । कुछ पकता है  
 कुछ भुनता है पकवान मिठाई पट्टी है । जब दे  
 खाखूब तो आखिर को नेचूल्हा भाडन भट्टी है ।  
 गुल्शोर बबूला आग हवा और कीचड़ पानी मट्टी  
 है । हम देवचु के इस दुनिया को सब धोखे की  
 सीट्टी है ॥ कोई ताज खरीदे हंस हंस कर कोई  
 तख्त खड़ा बनवाता है । कोई कपड़े रङ्गे पहने  
 है कोई गुदड़ी ओढ़े जाता है । कोई भाई बाप  
 चचाना ना कोई नाती पूत कहता है । जब देखा  
 खूब तो आखिर को नेरिश्ता है नेनाता है ॥ गुल्  
 शोर ॥ कोई सेठ महाजन लाख पती वज्जाज  
 कोई पनसारी है । ह्यां बोभकिसी का हल्  
 का है और खेपकिसी की भारी है । क्या जाने  
 कोन खरीदे है और किसने जिन्स उतारी है ।  
 जब देखा खूब तो आखिर को दलालन कोइव्यो  
 पारी है ॥ गुल्शोर ॥ कोई फूल के बैठे मसन  
 द पर कोई रोवे अपनी दौलत खो । कोई बोले अ  
 पना मुझ से लो और मेरा हो सो मुझ को दो को  
 इलडता है कोई मरता है भगडे है हक और ना  
 हक़ो । जब देखा खूब तो आखिर को कुछ लेना



एकनदेनादो ॥ गुल्शोर ॥ रम्भालनजूमी  
 आमिल है और फाजिल मुल्ला खाना है । कोई  
 आमिल का मिलदाना है कोइ मस्त सिडा दीवा  
 ना है । तावीज फतीला फाल फिख्खं और जादू  
 मन्तर लाना है । जब देखा खूब तो आखिर को  
 सब ही लाम कर बहाना है ॥ गुल्शोर ॥ कोई  
 लोटे कूंचे गलियौं मे तैयार किसी का घेरा है । को  
 ई वाग कुं आवन वाता है और घेर किसी ने घेरा है  
 नित कजिये भगड़े रल्ले हैं यह मेरा है यह तेरा है  
 जब देखा खूब तो आखिर को न मेरा है न तेरा है ॥  
 गुल्शोर ॥ कोई टोपी टोप बनता है कोइ बांध फि  
 रा अम्मा है । कोई साफ बरहना फिरता है  
 नेप गड़ी नेपा जामा है । कम खाप गजी और गा  
 ठे कानित कजिया है हङ्गामा है । जब देखा खूब  
 तो आखिर को नेप गड़ी है ने जामा है ॥ गुल्शोर ॥  
 कोइ बाल बठाए फिरता है कोइ सिर को घोट मू  
 डाता है । कोइ कपड़े रंगे पहने है कोइ नंग मुनं  
 गा आता है । कोइ पूजा कथा बखाने है कोइ छापा  
 तिलक लगाता है । जब देखा खूब तो आखिर को  
 सब छोड़ अकेला जाता है ॥ गुल्शोर ॥ कोई



रोता है कोइ हंसता है कोइ नाचे है कोइ गाता है ।  
 कोइ छीने भ्रष्ट ले भागे कोइ धोस का डर दिख  
 लाता है । कोइ माल इकट्ठा करता है कोइ कु  
 ज्जी कुल फल गाता है । जब देखा खूब तो आखि  
 र को सब भ्रष्ट डार छा जाता है ॥ गुल्शोर ॥ को  
 इवे चे भ्रष्ट शराव अफ यू म कहीं दूध दही की फेरी  
 है । कोइ मल्लासिर पर लाता है कोइ लादे वै  
 ल मुकेरी है । कोइ भ्रष्ट अफनी जागह पर  
 यह मेरी है यह तेरी है । जब देखा खूब तो आ  
 खिर को न तेरी है न मेरी है ॥ गुल्शोर ॥ क  
 हीं वल्ली टेकी धूनी है कहीं खासी कडव की पृली  
 है । कहीं चल्नी छाज पिटारी है कहीं चूल्हा  
 चक्की चूल्ही है । तरकारी वैंगन साग हरान ड  
 गांड़ा गाजर मुली है । जब देखू वती आखिर को  
 सब विकरी देखत भूली है ॥ गुल्शोर ॥ कहीं  
 वान अट रन टाट गजी कहीं दमर खचमर खत  
 कला है । कहीं रोक रुप दूये काखु रदा कहीं  
 कौड़ी प्रैसाधे ला है । कहीं छटना छाज पिटा  
 री है कहीं विकता खाट खटोला है । जब देखा  
 खूब तो आखिर केने पीढ़ी खाट न चरखा है ॥



गुल्शोर ॥ कोइ शिकरा वाज उड़ाता है कोई  
 हाथ में रकखेतु तली है । शर वाज कोइ ले बै  
 ठा है और दौड़ किसी ने दुतली है । है तार कि  
 सी के हाथों में और नाचती फिरती पुतली है ।  
 जब देखा खूब तो आखिर कोने रेशम सूत न सुत  
 ली है ॥ गुल्शोर ॥ अब कि स्कार झुवुरा कहि  
 ये और कि स्कार प्रभला कहिये । एक दम्की  
 पैठ लगी है यह अम्बो हम जाचर चा कहिये । ये  
 सैरत मागे देखन जीर अब जा कहिये वे जा कहि  
 ये । कुछ बात न ही बन आने की चुपचा प्रभला  
 है क्या कहिये ॥ गुल्शोर बबूला आग हवा औ  
 र की चड पानी मट्टी है । हम देख चुके इस दुनि  
 यां को सब धोखे की सीट्टी है ॥ २१ ॥ बटमार  
 अजल्का आप ऊंचा टुकड़ स्को देख डरो वावा ।  
 अब अशुक बहाओ आंखों में और आहै सदर्भ  
 रो वावा । दिल हाथ उठा कर जीने से वे वश मन मा  
 र मरो वावा । जब बाप की खातिर रोते थे अब अप  
 अपनी खातिर रो वावा । तन सूखा कुबड़ी पीठ  
 ऊई घोडे पर जीन धरो वावा । अब मौत न का  
 रा आवा जा चलने का फिकर करो वावा । अब



जीनेकोतुमरुखसतदोऔरमरनेकोमहमान  
 करो । खैरातकरोइहसानकरोयापुनकरो  
 यादानकरो । यापरीलड्डूवांटवाओयाखा  
 साहलुवानानकरो । कुछलुत्फनहींअवजी  
 नेमेअवचलनेकासामानकरो ॥ तनसूखा ॥  
 दिलकाटोअपनाजीनेसे अवऔरगलेकोमत  
 काटो । अबचाटफनाकीटुकचक्खोऔर  
 खूनकिसीकामतचाटो । धुनछोडोहिस्से  
 बखरेकी तुमभाजीअपनीमतबांटो । नाक  
 न्दवछेरेकूदचुकेअव औरदुलत्तीमतछांटो ॥  
 तनसूखा ॥ यहअस्यबज्जतकूदाउछलाअवको  
 डामारोजेरकरो । जबमालइकठाकरतेथेअब  
 तनकाअपनेदेरकरो । गढटूटालशकरभा  
 चुकाअवम्यानमेतुमशमशेरकरो । तुमसाफल  
 डार्इहारचुकेअवभागनेमेमतदेरकरो ॥ तन  
 सूखा ॥ सिरकांपाचांदोवालज्जएमुहपीला  
 पलकैंआनभुकीं । कदटेढाकानज्जएवहरे  
 औरआंखेभींचु'धलायगई' । सुखनींदगईऔ  
 रभू'खवटीदिलसुस्तज्जआआवाजमहींजोहो  
 नीथीसोहोगुजरीअवचलनेमेकुछदेरनहीं ॥



तनसूखा ॥ इसपांवघिसटकर चलनेसे मतरस्ते  
 को हैरान करो । और पोपले मुहसे रोटी को म  
 तमलमलकर हलकान करो । अव आप ऊँ एतु  
 म पानीसे मत पानी कानुकसान करो । कुकला  
 भनहीं इस जीने मे अव मरने से पहचान करो ॥  
 तनसूखा ॥ गर अच्छी करनी ने कअभल तुम  
 दुनियां से ले जाओगे । तो घर भी अच्छा पाओ  
 गे और सुख से बैठे खाओगे । और ऐसी दौल  
 त छोड के तुम जो खाली हाथों जाओगे ॥ कुकवा  
 तनहीं वन आने की धवराओगे पकताओगे ॥ त  
 नसूखा ॥ यह उमजि से तुम समझे हो यह हर  
 दम तन को चुनती है<sup>१</sup> ॥ जिस लकड़ी के बल बैठे  
 हो दिन रात यह लकड़ी धुनती है ॥ तुम गठड़ी बां  
 धो कपड़ों की और देख अजल सिर धुनती है ॥ अ  
 व मोतक फन के कपडे का ह्यां तां ना बां ना वुनती  
 है ॥ तनसूखा ॥ घर वाररूप ए और पै से मे मत  
 दिल को तुम खुरसन्द करो ॥ या गोर वना वो जंग  
 ल मे या यमुना पर आनंद करो ॥ मौत आनलता  
 डेगी आखिर कुकम कर करो या फन्द करो ॥ व  
 सब ऊँ तत माशा देख चुके अब आंखें अपनी वन्द



करो ॥ तनसूखा ॥ व्योपारतोह्यांकावज्ज  
 त किया अब ह्यांकाभी कुछ सौ दालो ॥ जोखे  
 पउधरकोचढतीहो उसखेपकोह्यांसेलदवा  
 लो ॥ उसराहमेजो कुछ खातेहों उसखाने  
 कोभीमंगवालो ॥ सबसाथीपज्जं चेमंजिल्  
 परअवतुसभीअपनारस्तालो ॥ तनसूखा ॥  
 दोचारवडीयादोदिनमेअवतनसेजाननिकल  
 नीहै । यहहड्डीपसलीजितनीहैंयागलनीहै  
 याजलनीहैं ॥ हैरातजोवाकीथोडीसीकोइ  
 दमकोयहभीढलनीहै । उठवांधोकमरसवे  
 रेसेतुमकोभीमंजिलचलनीहै ॥ तनसूखा ॥  
 ह्यांदौलतकामनआवेगी ॥ मतइस्कोतुमजंजीर  
 करो । यहखाकिवदनकीपाराहैमनमारइ  
 सेअक्शीरकरो । जोपारउतारैदरयासेउ  
 नवातौकोगुरपोरकरो । अबनावकिनारेआ  
 पज्जंचीअवचढनेकीतदवीरकरो ॥ तनसूखा ॥  
 कुछदेरनहींअवचलनेमेयाआजचलोयाकाल  
 चलो । जोकपडालतालेनाहोसोजल्दीवां  
 धसहलनिकलो । अवशांमनहींअवसुवहज्ज  
 ईचूंमोमपिघलकरढलनिकलो । क्योंनाहक



धूप चढ़ाते हो बस ठंढे ठंढे चल निकलो ॥ तनसू०  
 यह उंट गिरावेगा यारो सनू कजना जाअर्या है।  
 जब दू सपर हो अस बार चले फिर घोड़ा है नेह  
 स्त्री है। किसनीं दपड़े तुम सोते हो यह वो भूत  
 न्दारा भारी है। कुछ देर नही अव आहन जीर  
 तैयार खड़ी अस वारी है ॥ तनसू खाकु बड़ी पीठ  
 ऊई घोड़े पर जीन धरो वावा। अब मौत न कारा  
 आवा जा चलने का फिकर करो वावा ॥ २२ ॥

आया था कि सी शहर से एक हंस बिचारा।  
 एक पेड़ पैस हरा के किया उसने गुजारा ॥ रह  
 ते थे वज्र तजान वर उस पेड़ के ऊपर। इसने भी  
 कि सी शाख पर घर अपना संवारा ॥ देखा जो त  
 यरौ ने उसे ऊँच मे खुश रंग। वह हंस लग सब  
 कि निगा है मैं पिथारा। बाजोल घड़ो जुर ओशां  
 हीं ऊँच आशिक। शिकरौं ने भी शकर से किया  
 उस्का मुदारा ॥ जागो जगनौ तू तीओता उसो  
 कबूतर। सब करने लगे उस मुहबत का इशा  
 रा। कुछ लालचि डोपोदने पिहे हीन गशये। पि  
 दडी भी समझती थी उसे आंख का तारा ॥ सुऊ  
 वत जो बनी हंस में और जानवरौं में। एक चन्द ह



आखूबमुहबतकागुजारा ॥ उसहंसकोजब  
 होगएदोचारमहीनें । एकरोजबहयारौकी  
 तरफकहयहपुकारा ॥ लोयारोहमजबजाबै  
 गेकलअपनेवतनको । अबतुसकोमुबारकरहे  
 यहपेडतुहारा ॥ इसवातकेसुनतेहीजोहरए  
 केउडेहोश ॥ बोलेकियहफुर्कततो नहीहमको  
 गंवारा । हमजितनेहैंसबसाथतुहारेहीच  
 लेंगे । यहदर्दतोअबहमसेनजावेगासम्भार  
 रा ॥ इसीजोसबेकूचकीहूईसुवनमूदार ।  
 परअपनाहवापरवोहीउसहंसनेमारा ॥ स  
 वसाथउडेउस्केजोथेयारहवाखाह । हरए  
 कनेउडनेकेलियेपंखपसारा ॥ दोकोसउडेथे  
 जोहूईमांदगीगालिब । फिरपरमे'किसीकेन  
 रहीकूबतोयारा ॥ कोईतीनकोईचारकोईपां  
 चउडाकोस । कोईआठकोईनौकोईदशकोस  
 मे'हारा ॥ कोईछांरहाकोईह्छांरहाकोईह्छा  
 ह्छआलाचार । कोईऔरउडाआगेजोथासब  
 मे'करारा ॥ चीलेंगिरींकौवेगिरेऔरबाज  
 भीयकगए । उसपहलीहीमन्जिलमे'लिया  
 सबनेकिनारा ॥ सबरहगएजोसाथकेसाथीथे



नजीरआह । आखिरकेतई हंसअकेलाही  
सिधारा ॥ २३ ॥

क्याकहरहैयारौ जिसेआजायवुढापा ।  
औरऐशजवानीकेतई खायवुढापा । असरत्  
कोमिलाखाकमे गमलायवुढापा । हरकाम  
कोहरवातकोतरसायवुढापा । सबचीजको  
होताहैवुराहायवुढापा । आशिककोतोअल्ला  
हनदिखलायवुढापा ॥ जोलोगखुशामदसेबि  
ठातेथेघडीपहर । छातीसेलिपटतेथेमुहब्ब  
कोजतालहर । जबआकेलुढापेनेकियाहाय  
यहकुक्कहर । अबजिस्केकनेजातेहैंलगतेहैं  
उसेजहर ॥ सब ॥ आगेतोपरीजादहमेंर  
खतेथेह्वांघेर । आतेथेचलेआपजोलगतीथी  
जरादेर ॥ अबआकेवुढापेनेकियाहाययहअ  
न्देर । जोदौडकेमिलतेथेसोअवलेतेहैंमुह  
फेर ॥ सबचीजको ॥ थीजबतई ऐयामजवा  
नीकीहरीजख । महबूववहमिलतेथेनहोदे  
खजिन्हेमूंख । वैठेथेपरंदांनकिजबतकथाह  
राख । अबक्याहैजोपतझडहूएऔरजड  
भोगईसूख ॥ सबचीजको ॥ मजलिस्मेंजवानौ



केतोसागरहैंछलकते । चुहलेंहैंबहारेहैंप  
 रीरुहैंभ्रमकते । हमउनकेतईंदूरसेहैंरश  
 कसेतकते । वहऐशतरवकरतेहैंहमसिरहैं  
 पटकते ॥ सबचीजको ॥ हमपांवपडेंउनकेतो  
 हरगिजनबुलावें । जावैठेंतोएकदमेखफाहो  
 केउठावें । इतनातोकहाँअबजोकोईजामपि  
 लावें । गरजाननिकलतीहोतोपानीनचुलावें ॥  
 सबचीजको ॥ जबऐशकेमहमानथेअबगमके  
 ऊँएजैफ । अबखूनजिगरखातेहैंतवपीतेथेसौ  
 कैफ । जबऐंठकेचलतेथेशिरपरवांधउठासै  
 फ ॥ अबटेककेलाठीकेतईंचलतेहैंसदहैफ ॥  
 सबचीजको ॥ येहमभीजवांनीकेवज्जतदूशक  
 मेपूरे । वेकौनसेगुलरूथेजोहमनेनहींघूरे ।  
 जबआकेबुढ़ापेनेकिये ऐसेअधूरे । परउड़ग  
 येदुमभङ्गगईफिरतेहैंलंडूरे ॥ सबचीजको ॥  
 आगेथेजहांगुल्बदनऔरयूसफेसांनी । देते  
 येहमेंप्यारसेकल्लाकीनिशांनी । मरजावेंतोअ  
 वमुहमेंनडालेकोईपानी । क्यादुखमेंहमेंकोड  
 गईहायजवांनी ॥ सबचीजको ॥ क्यायारोउ  
 लटहमसेगयाहायजमाना ॥ जोशोखकियेदि



लकीनिगहैंकेनिशाना । छेडेहैंकोईडालके  
दादाकाबहाना । हंसकरकोईकहताहैकहां  
जातेहेनाना ॥ सबचीजको ॥ पूछैंजिसेकह  
ताहैवहक्यापूछेहैबुड्ढे । आवैंतोयहगुल्है  
किकहांआवैहैबुड्ढे । वैठेंतोहोयहधूमकहां  
वैठैहैबुड्ढे ॥ देखेंजिसेकहताहैवहक्यादेखैहै  
बुड्ढे ॥ सबचीजको ॥ क्यायारोकहैंगोकिवु  
ढापाहैहमारा ॥ परबूढेकहानेंकानहींदिलमेंस  
हारा । जबबूढाहमेंहायजहांकहकेपुकारा  
काफिरनेंकलेजेमेंगोयातीरसामारा ॥ सब  
चीजको ॥ ख्वांमेंअगरजावेंतोहोतीहैयह  
फकडी । खैचैहैकोईहाथकोईछीनेंहैलकडी  
मूछैंकहींवत्तीकेलियेजातीहैपकडी । दाढीको  
कोईखैचकोईभाडेहैमकडी ॥ सबचीजको ॥  
कहताहैकोईछीनलोइसबुड्ढेकीलाठी । कह  
ताहैकोईशोखकिहांखैचजोडाठी । इतनाकि  
सीकाफिरकोनहींअवसमझआती । क्याबूढे  
जोहोतेहैंतोउनकेहैनहींजी ॥ सबचीजको ॥  
एकबक्तब्रह्माहमभीमजेकरतेथेगिनगिन् ।  
महबूबपरीजादनरहतेथेमिलेबिन । एकबक्त



यह है हाय जो सब कर ते हैं अब धिन् ॥ या एक वे ए  
 याम थे या एक है ये दिन् ॥ सब चीज का ॥ वूठों  
 में अगर जावें तो लगतान हीं ह्वां दिल । ह्वां कों  
 किल गे दिल तो है मह वूवों का माइल् । मह वू  
 वों में जावें तो वे सब छे डै है मिल मिल ॥ क्या सख्त  
 मुसीबत की पड़ी आन के मुशकिल् ॥ सब चीज ॥  
 पन घट को हमारी अगर असवारी गई है । तो  
 ह्वां भीलगी साथ ही खारी गई है । सुनतें है कि  
 कहे तीय ही पन हारी गई है । लोदे खो बुढा  
 पे में यह मत मारी गई है ॥ सब चीज को ॥ पग  
 डी हो अगर लाल गुलाबी तो यह आफत् । कह  
 ता है हर एक देख के क्या खूब है रंगत् । ठठ्ठे  
 से कोई कहता है कर शला पौर हमत् । ला है लाल  
 बला देखिये बुढे कि हिमाकत् ॥ सब चीज को ॥  
 गर व्याहने जावें तो यह जिलत है उठाना । छुट  
 ते ही बने बाबनिका ही के निशाना । रिंदों में अ  
 गर जावें तो मुशकिल् है फिर आना । अब यारो  
 किसी जान हीं वूढे का ठिकाना ॥ सब चीज को ॥  
 दरिया के तमाशे को अगर जावें तो यारो । कह  
 ता है हरे क देख के जाते हो कहां को । और हंस



केशरारतसेकोईपूछेहैबदखो । कोंखैरहैक्या  
 खिजरसेमिलनेकोचलेहो ॥ सबचीजको ॥  
 गरनाचमेंजावेंतोयहहसरतहैसताती । जो  
 नाचैहैकाफिरसोनहींध्यानमेंलाती । औरों  
 कीतरफजावेतोआंखेंहैलडाती । परहमकोतो  
 काफिरबहअडूठाहीदिखाती ॥ सबचीजको ॥  
 गरनायकाउनमेंकोईबूढीसीकहाती । अलव  
 तावुठापेपैबहटुकरहमभीखाती । फीकीसी  
 पुरानीसीमुलाकातजताती । यहकहरहैहम  
 कोबहजराखुशनहींआती । सबचीजको ॥  
 चकलेकेजोअन्दरकीवहकहलातीहैंकसबी ।  
 गरउन्मेंकभीजावेंतोहोतीहैखराबी । मुंहदे  
 खतेहीकहतीहैंसबआओवडेजी । क्याआएहो  
 ह्याकरनेकोपीरीऔमुरीदी ॥ सबचीजको ॥  
 गरजावेंतवायफमेतोलगतीहैंसुनाने । क्याआ  
 एहोहजरतहमेकुरआनपढाने । हंसकरको  
 ईपूछेहैनिमाजोंकेदुगाने । ठठ्ठसेकोईफेंकेहै  
 तसबीहकेदाने ॥ सबचीजको ॥ गरभुकके  
 कमरपाओंसेसिरआनलगाहै । परदिलमेंतो  
 खंवांकावहीध्यानलगाहै । कहतेहैंजिसेहम



को यह अरमान लगा है । कहता है वह क्या बुद्ध  
 को शह तांन लगा है ॥ सब चीज को ॥ इन लोकोई इ  
 न पोपले दांतों की बनावे । चलकर कोई कुबडे  
 की तरह कद को भुकावे । डाढ़ी कने उड़ली को  
 कोई लाके न चावे । यह खूारी तो अल्लाह कि सी  
 को न दिखावे ॥ सब चीज को ॥ ये जैसे जवांनी  
 में किये धूम धड़के । वैसे ही बुढ़ापे में छुटे आन के  
 छके ॥ सब उडगए का फिर वह निजारे वह भ्रम  
 के । अब ए श जवांनो को है और वूठों को धके ॥  
 सब चीज को ॥ गरहिर ससे डाढ़ी को खिजाव अ  
 पनी लगावे । भुरी जो पडी मुह पै इसे कौं कि मि  
 टावे ॥ गोमकर से हंसने के तईं दांत बंधावे । ग  
 रदन जो पडी हिलती है क्या खाक छिपावे ॥ सब  
 चीज को ॥ बूढ़े ऊपर ऊँख की चाहत न हीं छु  
 टती ॥ आंखों से यह दीदार की लज्जत न हीं छुट  
 ती । और दिल से भीम हवूबों की उलफत न हीं  
 छुटती ॥ सब छुट गया एक दीद की यह लत न हीं  
 छुटती ॥ सब चीज को ॥ सुनते हो जवांनो यह  
 सखु न कहते हैं तुम से । करने जो हों कर लो व  
 हम जे ए शो तरब के ॥ जावेगी जवांनी तो फिर अ



फसोसकरोगे । तुमजैसेहोवैसेहीकभीहमभी  
जवांथे ॥ सवची ॥ अवजितनेहोमाहूकयह  
सबेयादरखोवात । जोहोसोकरोचाहनेवालों  
कीमुदारात ॥ सहवूवोगनीमतहैजवानीकीय  
हअौकात । जबवूढेऊएफिरतोवेहीढाकके  
दोपात ॥ सवची ॥ अवजिससेरहैंसाफसोहो  
ताहैवहगदला । औरजिससेमुलाइमहोंसो  
होताहैवहदुदला । इसचर्खसितमगारनेसी  
नेमेंहसदला । क्याहमसोलियाहायजवांनोका  
यहवदला ॥ सवचीजको ॥ येजैसेजवांनोमेंपी  
येजामसुवूके । वैसेहीबुढ़ापैमेंपियेवूटल  
हूके ॥ जबआकेगलेलगतेयेमहवूवभभूके ।  
अवकहियेतोबुढ़ियाभीकोईसुहपेनथूके ॥ स  
वचीजको ॥ हैभांवलीतालीकीजनानोंमेजोच  
रचा । गरउनमेंकभीजावेंतोहैयहसितमआता ॥  
डाढ़ीकीजुगतवोलेकोईआंखकोमटका । ठठूसे  
कोईकहताहैकौआयमेरेदादा ॥ सवचीज  
को ॥ गरआजकोहोतेवेजवांनोकेजमाने ।  
कुदरतथीजोयोंछेड़तेभडुएयेजनाने ॥ मुशकि  
लअभीपडजातीइन्हेंपीछेछुडाने । एकदमोंअ



भील गते जहि आहि सचाने ॥ सब चीज को ॥  
 यह ही ठ जो अव पो पले यारो है हमारे । इन हीं  
 ठों ने वो सों के व डेर ड है मारे ॥ होते थे जवांनी  
 में जो परियों के गुजारे । और अव तो चु डै ल आ  
 के भी एक लात न मारे ॥ सब चीज को ॥ करते  
 थे जवांनी में तो सब आप से आचाह । और ऊँ ख  
 दिखाते थे वह सब आप से दिल खाह ॥ यह क  
 हर बुढ़ा पे ने किया आ के न जीर आह । अव को  
 इन हीं पूछता अल्लाह ही अल्लाह ॥ सब चीज को  
 होता है बुरा हाय बुढ़ा पा । आशिक को तो अल्ला  
 ह न दिख लाय बुढ़ा पा ॥ २४ ॥

कस बी जो तवायफ क हीं हो जाती है बुढ़िया । औ  
 र ज्वान क हाने से वह रह जाती है बुढ़िया ॥ ह  
 र काम में हर वात में सरमाती है बुढ़िया । सि  
 र धुनती है घबराती है पछताती है बुढ़िया ॥ दि  
 न रात पड़ी सी चमे गम घाती है बुढ़िया । यह  
 दर्हव ही जाने जो हो जाती है बुढ़िया यह जव मुं  
 ह भ भ का था जवांनी की पिये मैथ अव शकुल वनी  
 ऐसी कि देख आवे जिसे कय अप्सो सयह कं व ख  
 त बुढ़ा पा है बुरी शय गर अग भी लेने को क भी जा



वे' तो हय हय चिल्ला के वह कहता है कहाँ आती  
 है बुढ़िया यह जिस तन पैजवानी की पड़ी फड  
 कैथी बोटी उस तन को नक पड़ा है न उस पेट को  
 रोटी वाल उड के लटें रह गई कुछ नो चीख सोटी  
 मिस्त्री है न काजल है न कंगही है न चोंटी सब वा  
 त से दिल अपना वह तरसाती है बुढ़िया यह था  
 वक्त जवानी तो वडे माल को पज्ज'ची कम खाप को  
 और तास को और शाल को पज्ज'ची आया जो बु  
 ढा पा तो फिर इस हाल को पज्ज'ची शिर हिल ने ल  
 गा चू' चिया पताल को पज्ज'ची यह हाल ऊँचा फि  
 र तो किसे भाती है बुढ़िया यह नौची जो वफा  
 दार को ईपा सर रहे आ तो रोटी मिले वरन लगे  
 कातने चरखा और कुवडी कमर हो गई शिर  
 हो गया गाला मुह सूख के चमर खज्ज आत न हो  
 गया तकला इस दर्जे को आखिर को पज्ज'च जा  
 ती है बुढ़िया यह बुढ़िया को बुढा प मेय ह दुख  
 पडता है खेना नौची को किसी ठव से न सीहत हो जु  
 देना मुह पीट के हमसाइ से कहती है कि मेना ना  
 हक की खराबी है न लेना है न देना एक चार घडी  
 शिर मुझे पिटवाती है बुढ़िया यह टुक देखियो



यारोयहबुढापेकीखुआरी हमसाईकेसुनते  
 हीलगीदिलमेकटारी नौचीकीतरफदारहोव  
 रमेसेपुकारी क्यावातजुईतभसेवहमुभको  
 तोवतारी जिसवातपैदोपहरसेटरीतीहैबुढि  
 या यह मैक्याकहोंमेनायहगुजतीनहीं ढड्डो  
 औरकहरखुदासेभीयहडरतीनहींढड्डो जीभ  
 अपनीजरावन्दनहींकरतीयहढड्डो क्याशक्तमु  
 सीवतहैयहमरतीनहींढड्डो इसदर्जेकोआखि  
 रकोवज्जचजातीहैबुढिया यह जोअैसीमेरे  
 पीछेपडीजायगीभापो एकरोजमुभेवरसेनि  
 कलवगीभापो सवषाचुकीअवमुभकोभीयह  
 खायगीभापो वहकौनसादिनहोगाजोमरजा  
 यगीभापो डायनसीनजरअवतोमुभेआतीहै  
 बुढिया यह क्यावक्तबुढापेकाबुराहो  
 ताहैवज्जाह वेगानेतोक्याअपनोकोफिररहती  
 नहींचाह खुारीसेबुरेहालकोसहकरगमेजा  
 काह रुक्कुरकेबुढापेकीमुसीवतमेनजीपआह  
 आखिरकोईसीसोचमेमरजातीहैबुढिया ।  
 यहदर्दवहीजानेजोहोजातीहैबुढिया ॥ २५  
 क्यादिनथेवेभीयारोहमभीयेजवकिवाले ।



निकलेथीलेकेदाईफिरतीकभीददाले ॥ चौ  
 टीकोईरखावेवझीकोईपिन्हाले । हंसलीगले  
 मेंडालेमनतकोइवढाले ॥ मोटेहेंयाकिदुवले  
 गोरेहेंयाकिकाले । क्याऐशलूटतेहैंमअसू  
 मभोलेभाले ॥ जिसजिसतरहकीवाते'आक  
 रयहपेलतेहैं । मावापइनकीवाते'सवसिरपै  
 भेलतेहैं ॥ जोन्यामतेंयेपावेंलेसुहमेठेलते  
 हैं । सीनेंपैलोटातेहैंगोदे'मेंखेलतेहैं । मच  
 लेतोवापलेलेरोवेतोमामनाले ॥ क्याऐश ॥  
 दिलमें'किसीकीहरगिजनेशर्मनेहयाहै । आ  
 गाभीखुलरहाहैपीछाभीखुलरहाहै ॥ पहने  
 फिरेतोक्याहैनङ्गेरहेतोक्याहै । इहांयो'भीवा  
 हवाहैऔरवांभीवाहवाहै ॥ कुछइसतरफसे  
 खेलेकुछउसतरफसेखाले । क्याऐश ॥ घरमें  
 होयानहोवेपैसाइन्होंकोलेना । याखानाल  
 डूँडूँपेडयाचावनाचवेना ॥ मावापकेजोसि  
 रपरआकरपडे'सोखेना । इनकोतोफिरकि  
 सीकालेनानकुछहैदेना ॥ रोटीकोईखिला  
 लेपानीकोईपिलाले ॥ क्या ॥ नेचूतडोंकोढां  
 पैनेकूनकोछुपाए । हरआननरमुजर'दआ



शिकवनेवनाए ॥ हरआनमे' सफाचट्हरद  
 मघुटेघुटाए । अल्लाहकेकलन्दरखासेमुडेमु  
 डाए ॥ चाहैकोईहंसालेचाहैकोईरुलाले ॥  
 क्या ॥ मरजावेकोइतौभीकुछइनकोगमनक  
 रना । नेजानेकुछविगडनानेसमझेकुछसंवर  
 ना ॥ इनकीवलासेघरमे'हेलेनापडेउधरना ।  
 जिसवातपरयहमचलैफिरवहीकरगुजरना ॥  
 माओदनीकोवावापगडीकोवेचडाले ॥ क्या ॥  
 जोचीजकोईदेवेनितहायओडतेहैं । गुडवे  
 रमुलीगाजरलेमुहमे'खोटतेहैं ॥ वावाक्रोम  
 छमाकेभोंटेखसोटतेहैं । गरदैमेंअटरहे  
 हैंखाकोंमेंलोटेहैं ॥ कुछमिलगयासोखाले  
 कुछवनगयाचबाले । क्या । जोइनकोदोसोखा  
 लेफीकाहोयासलोंना ॥ परवानकुछपलङ्गकी  
 नेचाहियेबिछोंना । जिसजांपैनींदआईफिर  
 इहांई'इनकौसोंना ॥ हैंवादशासेबेहतरजब  
 मिलगयाखिलोंना । भोंपूकोईबजालेफिरका  
 कोईफिराले ॥ क्या ॥ यहवालपनकायारो  
 आलमअजबवनाहै । यहउम्रबहहैइस्में  
 जोहैसोवादशाहै ॥ औरसच्चअगरचेपूछो



२४०८  
३३ काव्य १३

१३१२

५५

तोबादशाभीक्याहै । अवतोनजीरसबकोमे  
रीयहीदुआहै ॥ जीतेरहैंसवांकेआसोसुरा  
दबाले । क्याऐशलूटतेहैंमअसूमभोलेभा  
ले ॥ २६ ॥

जबमाहअघनकाढलताहोतबदेखबहा  
रैजाडेकी । औरहंसहंसपूससहलताहोतब  
देखबहारैजाडेकी ॥ दिनजलदीजलदीचल  
ताहोतबदेखबहारैजाडेकी । पालाभीवर्फउ  
गलताहोतबदेखबहारैजाडेकी ॥ चिल्लाखम  
ठोकउछलताहोतबदेखबहारैजाडेकी । तन  
ठोकरमारपछाडेहोऔरदिल्मेहोतीहोकु  
सी । थरथरकाजोरअखाडाहोऔरबजती  
होसबवत्तीसी । होशोरअहोहोहोहोकाऔ  
रधूममचीहोसीसीकी । कल्लेपरकल्लालगलग  
करचलतीहोमुहमेंचक्कीसी । हरदांतचनेसेद  
लताहोतबदेखबहारैजाडेकी ॥ हरएकमकां  
परसरदीनेआबांधदियाहोयहचक्कर । जोह  
रदमकंपकंपहोतीहोहरआनकड़ाकड़और  
थरथर ॥ पैठीहोसरदीरगरगमेंऔरवर्फ  
निकलताहोपत्थर । झड़बांधमहाबटपड़ती



हो और तिसपर लहरै लेलेकर । सन्नाटा बा  
 वका चल्ता हो तब देख बहारै जा डेकी ॥ हर  
 चार तरफ से सर दी हो और सहन खुला हो को  
 ठेका । और तन में नीमांशवनमका हो जिसमें  
 खस्का अंतर लगा ॥ छिड़का बज्ज आ हो पानी  
 का और खूब पलङ्ग भी हो भीगा । हाथों में प्या  
 ला शरबत का हो आगे एक फर्रांश खडा ॥ फ  
 र्रांशी पंखा झलता हो तब देख बहारै जा डेकी ॥  
 जब ऐसी सर दी हो अय दिल तब जो रमजे की घा  
 ते हैं । कुछ नरम विछौने मखमल के कुछ ऐश  
 कीलंबीराते हैं ॥ महबूब गले से लिपटा हो और  
 रकुहनी चुटकी लाते हैं । कुछ बोश मिलते  
 जाते हैं कुछ मीठी मीठी बातें हैं । दिल ऐशत  
 रब से पलता हो तब देख बहारै जा डेकी । हो  
 फरश बिछा गली चोंका और पड दे छूटे हैं आक  
 र । एक गर्म अङ्गीठी जलती हो और शम आरौ  
 शन हो तिसपर । वह दिल बरशो खपरी चं  
 चल है धूम मची जिस्की घर घर ॥ रेशम की न  
 रमनिहाली में सौना जो अदा से हंस हंस कर ।  
 पहलू के बोचम चलता हो तब देख बहारै जा डे



की ॥ तरकीबवनी होमजलिसकी औरका  
फिरनांचनेवालेहैं । मुहउनकेचांदकेटुकडे  
सेतननर्मरुईकेगालेहैं । पोशाकेंनाजुकर  
झोंकीऔरओढ़ेसालदुसालेहैं । कुछनंच  
औररागकीधूमेंहैंकुछऐशमेंहसतवालेहैं ।  
ध्यालेपरध्यालाचलताहोतबदेखवहारैजाडेकी  
फिरएकमकांहोखिलवतकाऔरऐशकीसबतै  
यारीहो । वहजानकिजिससेजीगशहोसो  
नाजसेआभनकारीहो । दिलदेखनजीरउ  
स्कीछबकोहरआनअदापरवारीहो । सब  
ऐशमुहय्याहोआकरजिसजिसअरमानकिवा  
रीहो ॥ वहसवअरमाननिकलताहोतबदे  
खवहारैजाडेकी ॥ जव ॥ २७ ॥

वरसातकाजहांमेजोलशकरफिसलपडा  
वादलहरेकतरफसेहवापरफिसलपडा भडि  
योंकामेहआकेसरासरफिसलपडा छत्ताकि  
सीकाशोरमचाकरफिसलपडा कोठाभुकाअ  
टारीगिरीघरफिसलपडा जिनकेनयेवनेहैंम  
कांऔमहलसरा उनकीछतेंटपकतीहैंचलनी  
होजावजां दीवारेंभूमतीहैंछल्लोंकागुलमचा



लाठीकोटेककरजोभितूँहैखडातोक्या कृज्जा  
गिरामुडेरकापत्थरफिसलपडा वारांजवआके  
सक्तसकानोंकोहिलहिला बोदासकांफिरउस  
कीभलाक्योंकितावला हरभोंपडीमेआकेमची  
हैयहवायवाय कहतेहैंयारोदौडियोजलदीसे  
हायहाय पाखेपछीतसोगयेकृप्परफिसलपडा  
कूंचेमेकोईऔकोईवाजारमेगिरा कोईगठे  
मेगिरकेहैकोचडमेलोटता रस्तेकेवीचपांवकि  
सीकारपटगया औरसवजगहकेगिरनेसेआ  
याजोवचवचा वहअपनेघरकेसहनमेआकर  
फिसलपडा देखोजिधरउधरकोयहीगुलपुका  
रहै कोईगिराहैऔरकोईकीचडमेस्वारहै  
प्यादाउठाहैमरकेतोपछडासवारहै गिरने  
कीधूमधामयहकुछ्वेसुमारहै जोहाथीरप्टा  
उंटगिराखरफिसलपडा दलदलजोहोरहीहै  
हरेकजांपैरसमसी मरमरउठाहैमर्दतोऔ  
रतरहीफंसी क्यासक्तमुशिकिलातहैक्यासक्त  
वेवसी उसकीवडीखरावीज्जईऔरमचीहंसी  
जोअपनीजाजस्वरकेअंदरफिसलपडा चिक  
नीजमीनह्यांतईंकुछहैगोवेशुमार कैसाहीहो



शदारहोपरफिसलैएकवार आकाकवसहे  
 इसमेननौकरकाइखतेआर कूंचेगलीमेहर  
 कहीदेखांजोएकवार आकाजोडिगमिगाया  
 तोनौकरफिसलपडा गिरताहैआकेरंडीजो  
 कसवीकागरमकां औरउसकेआसनाकीभीक  
 तगिरतीहैजहां कहताहैठठेवाजहरेकउनसे  
 आकेह्वां क्याकृतकोवैठेरोतेहोतुमइसजगहमि  
 यां ह्वांकृतलगनकीआपकासवधरफिसलप  
 डा रंडीजोनाचनेकोचलीकोईखुसजमाल भ  
 डुआभीसाथउसकेचलासाजकोसंभाल आया  
 कदमतलेजोफिसलनीजमीकढाल रंडीतोऊ  
 हिकरकेउधरगिरपडीनिढाल भडुआइधर  
 कोहाययहकहकरफिसलपडा आकिलजोरंडी  
 वाजकहाताथाकोईजरा रंडीजहांगिरीतोव  
 हींआपभीगिरा जोताडवाजयेवेपुकारेयहजाव  
 जा यारोयहजायगौरहैदेखोतोदुकजरा वनि  
 येकावेटाकुक्तोसमझकरफिसलपडा और  
 जिसकिसीकेदिलकोहैलडकेकेतनकीचाह नि  
 कलावहसाथलडकाकेकीचडमेहोतवाह उल  
 फतकीअपनेचाहजतानेकोखांमखांह लडका



गिराजो आगे तो पीछे से यह भी आह वे देखते आ  
 र उसकी वरावर फिसल पड़ा करती है हर कि  
 सी को फिसल नीज मीन खार आसिक् को पर दि  
 खाती है कुछ जेर ही वहार आया जो सान्हेने को  
 ईमह बूवो गुलोजार गिरने को कर के मकर उ  
 छल कूद एकवार उस सोख गुल वदन से लिपट  
 कर फिसल पड़ा विसनी जो इस हवामे कोई नु  
 क्ते चीन है कहता है उस से रंडी जो सुहब तक  
 रीन है अवी विफूर्ज या यह फिसल नीज मीन है तु  
 म को जकर के जाने का अन्दर यकीन है पर मैं तो  
 जानता हूँ कि बाहर फिसल पड़ा की चड से हरम  
 कांके तो वचता हूँ आफिरा और जव दिखाई दी  
 खुले वालों की एक घटा विजली सी चमकी हूँ स्न  
 की में हवर सानाज का फिसल नजव असी आई  
 तो फिर कुछ नव सचला आखिर ह्वान जीर भी आ  
 कर फिल पड़ा ॥ २८ ॥

लिये फिरता है यों तो हर वसर वच्चा गिल हरी का।  
 हरे क उस्ताद के रहता है घर वच्चा गिल हरी का  
 यह है अब तो हमारा इस कदर वच्चा गिल हरी का  
 दिखावे हम कि सील के को गर वच्चा गिल हरी का



वह आकर लोट जावे देखकर बच्चा गिलहरी का ॥  
 सुपेटी में जु काली धारियां और ही वन वन  
 कि जैसे गाल पर लडकों के होवें जुल्फ की नागन  
 कि नारोदार पट्टा जिस्से घुं घुं कर रहे भन भन  
 गले में हंसलियां कानो में दुर और नाक में लटक  
 न रहा सिर पांव से गहने में भर बच्चा गिलहरी  
 का ॥ ए छोटे छोटे हाथ और मुह बह छोटा सा  
 अहाहाहा और उन छोटे से दांतों में लिये पे  
 डा अहाहाहा ॥ वह दुमफुं दनासि और वूटा  
 साकदडसका अहाहाहा । जों ही लडके ने दे  
 खा हो के गश्बोला अहाहाहा मियां साहिब ले  
 आवो टुकड़ घर बच्चा गिलहरी का ॥ वहीं डस  
 पास जा कर हम ने इस बच्चे को दिखलाया वह कै  
 सा ही सयाना था पर डसदम जेब में आया घड़ी  
 दो चार तक बांसे लिये छाती से लिपटाया मकां  
 खाली अगर पाया तो कुछ कुछ और ठहराया यह  
 कुछ रखता है असरत के ऊन र बच्चा गिलहरी का ।  
 कोई लडका जो इसकी देखकर सूरत तरसता है  
 कोई रोता है हठ कर और कोई मुह देख हंसता  
 है कोई आता है दौड़ा और किसी के दिल में ब



स्ता है कोई देता है वो से और कोई फं दे मे फं सता है  
 गरज जाते हैं हमले कर जिधर बच्चा गिलहरी का ॥  
 किसी सरदार के दिल मे यह आया एक दिन यारी  
 कि देखें घर बुला कर लौं डे बाजों के ऊनर एक दो  
 कहाड सने कि हांइ सढ़ब के डस्ता दों को ले आबो व  
 हनौ कर उस का सव में ठूँठ चुन कर ले गया हम को  
 नया हम पास डस दम् मगर बच्चा गिलहरी का ।  
 जो देखे तो बुरी सूरत बुरा हाल और फटे कपडे व  
 ढे दाढ़ी के बाल और जर्द मुं ह आखों मे आंसू हैं  
 अडे वंधी मैली सोपगड़ी सिर पै और टुकड़े अंग  
 रखे के वे कपडे गो फटे थे पर हम अपने फन मे प्रे थे  
 लगा रखते थे असे वक्त पर बच्चा गिलहरी का ॥  
 ज्यों ई उस ने हमे ह्मांइ सवुरे अहवाल मे देखा क  
 हा दिल मे कि फं सता होगा इन से कि स्तर हल डका  
 नजर से उस की हम ने जव ह्मांइ सवात को ताडा  
 कमर को देख ठूँठी जे बटोला पगड़ी को भी उस  
 जगां वही हम ने निकाला ठूँढ़ कर बच्चा गिलहरी  
 का । कहीं बैठा था ह्मां उस का बरस बार हक एक  
 लडका बहू गोरा गुद गुदा वच्चा परी का चांद का टु  
 कडा जो ही उस ने यह वच्चा हाथ यारो एक नजर दे



खा बहो लट्टू होकर बोलाय हीलूंगा एहीलूंगा  
 विडा दो जल दी मेरे हाथ पर बच्चा गिलहरी का ॥  
 यह कहकर वे करारी से बहलड़का शौक मे गश हो  
 बही धवरा के आप ज्ञं चा जहां हम थे खडे यारो ल  
 गा सौ मिन्न तो से मांगने साहिब यह हम को दो ब  
 हवा पउस का पुकारा हां निका लो जल द से इस को  
 गजवर खता है जादू का अशर बच्चा गिलहरी का ॥  
 लगा फिर हम से कहने हां जीव सह मने तु ह्ये जाना  
 ऊनर जो कुछ तु ह्यारा था वही सब मैं ने पहचाना  
 दिखा बच्चा किया तु मने मेरे लड़के को दीवाना खु  
 दा के वास्ते तुम फिर इधर तसरीफ मत लाना चलो  
 जा वो कही ले कर उधर बच्चा गिलहरी का चले  
 हम ह्यां से उस लड़के ने आखी मे भरे आंसू लगा  
 वापउस का कहने तब हरे क को देख कर हरसूं फं  
 से क्यों कर नइ से आके लड़का गुल वदन गुल ग  
 र जल ड के तो क्या है यह तो वूढों पर करे जादू फि  
 रे गे ये लिये ऐसाम गर बच्चा गिलहरी का । इसी  
 वचे की वादौलत् निकले ते हम जिधर यारो हरे  
 कलड़का यह कहता है भियां साहिब इधर आओ  
 गले लिपटाओ हम को या हमारे मुह से वो सेलो



सिवाइसकेजोकुछदिलमेहैवहभीशौकसेतार  
लो परदिखलादोहमेटुकवैठकरवच्चागिलह  
रीका ॥ यहवहवच्चाहैयारोजिसवचेकोशकल्  
दिखलावे वहींसकोलुभाकरदांवकेऊपर  
चढालावे गरीवअदनाकलडकाकवहमारे  
ध्यानमेआवे फरिस्तेकाभोलडकाहोतोएक  
दमदाबखाजावे अगरदेखेहमाराइकनजर  
वच्चागिलहरीका ॥ बढोउल्फतहमेजबसेन  
जीरइसशौखवच्चेकी उडाईतवतोशैरेंहमने  
क्याक्याकुछतमासेकी नखाहशलालकीहमको  
नपिदडीकीनपिह्की नचाहतहैकबूतरकी  
नमैनाकीनतोतेकी हमेकाफीहैअबतोयहउम  
रभरवच्चागिलहरीका ॥२६॥

जवपैरनेकीकृतुमेदिल्दारपैरतेहैं आशिक्ष्भी  
साथउनकेगम्खारपैरतेहैं भोलेसयानेनादां  
ऊसिआरपैरतेहैं पीरोजवानलडकेऐयारपैर  
तेहैं सुफलेशगरीवअदनाजरदारपैरतेहैं  
इसअगरेमेक्याक्याऐयारपैरतेहैं लेशेषतावशै  
अदमुगलोपठानअक्सर रजपूतवनियेब्राह्मन  
पत्नीभीऔरनागर कश्मीरियानेकायथहरपे



शेवर सरासर जोगीफकीरचले उमराअमीर  
 चाकर वांकेऔटेढेतिर्छेवलदारपैरतेहैं इस  
 वरसातमेजोआकरचढताहैखूबदारिआ हर  
 जांखु रीओचहरवंदऔरनांदचकवा मेढाभंव  
 रउछालनचकरासमेटमाला बेंडागंभीरत  
 खताकट्टेपछाडगरी ह्यांभीऊनरसेअपनेऊ  
 शिआरपैरतेहैं इस सिरनेसेलेकेयारोसहजा  
 कतापिआला छतरीसेबुर्जखूनीदाराकचौतरा  
 क्या सहताववागशैअदटीलेओकिलारौजा अंवा  
 हऊजुमचैमेगुल्शोरशैरचरचा हरजांखुसी  
 कोकरकरअतवारपैरतेहैं इस वागेहकीम  
 औरजोसौदासकाचमनहै इनमेजगहजग  
 हपरमजलिशहैअंजुमनहै मेवेमिठाईखाने  
 औरनाचदिललगनहै कुछपैरनेकीधूमैकुछ  
 अशकाचलन्है इनखूवियोंसेहरदमहरया  
 रपैरतेहैं इस तिरवेनीमेअहाहाक्याहो  
 तोहैंवहारे खलकतकेठटहजारोंपैरांककी  
 कताररे'पैरै'नहावेंउछले'कूदे'लडे'पुकारै'ल  
 तीओछीटेगोतेखाखाकेहाथमारै हरदमुख  
 शीमेहोकरहरवारपैरतेहैं इस कुछजोंह



रीयांकेलडकेकुछसाझकारवच्चे सोनेकेत  
 नमेगहनेकानोमेमोतीसच्चे कितनेतोशोख  
 पक्केकितनेगरीवकच्चे जमुनाकेबीचक्याक्या  
 होतेहैंखच्चेमखच्चे किसकिसलपक्केपक्केसे  
 खंखारपैरतेहैं इस संबुलसेवालबिखरे  
 औरगुल्मेगालरंगी नरगिससीआंखेप्यारी  
 कदमिस्लेपर्वसीमो फूलांसिछडि यांवांहैं  
 औरउंगलियांनिगारी सिरपरगुलावीसूही  
 औरसोसनीसुनहरी जमुनाकेबीचगोयागु  
 लजारपैरतेहैं इस कितनेतोगुल्खोंकेहा  
 थोमेहाथगहते जातेहैंचुप्केचुप्केकंधो  
 पवांभसहते कितनेखुशीकीवातैहैंगुल्म  
 चाकेकहते पानोपैइससफासेजातेहैंसाफ  
 वहते जैसेहवाकेऊपरपरदारपैरतेहैं इस  
 कितनेखडेहीपैरेअपनादिखाकेसीना सीना  
 चमकरहाहैहीरेकाजोंनगीना आधेवदनपै  
 पानो आधेपैहैपसीना वहकरचलाहैगोया  
 सरवांकाइक्करीना दावन्कमरसेवांधेदस्तार  
 पैरतेहैं इस पानोमेकितनेयारोजातेहैंसाफ  
 साते कितनोंकेहाथपिंजरेकितनोंकेहाथतो



ते कितने प्रतंग उड़ावे कंठी कई पिरोते ऊक्  
 कांके दम उड़ावे हंस हंस के साद होते सौ सौ ऊ  
 नर को कर कर विस्तार पैर ते हैं इस कितने  
 तो शिर खुली से दिखला के वाल पैरें बुर्जा से कू  
 द कितने तन को संभाल पैरें वाजी कला से कित  
 ने पानी उछाल पैरें बहते चढ़ाऊ सीधे चित मो  
 र चाल पैरें लाखों ऊ नर को कर कर आस पर  
 पैर ते हैं इस मशू कांघ डों के तों वों के कई एक  
 छक डे सब अपने गोल बांधे कमरों को खूब जक डे  
 विछु एक टार जम धर बां क उ गुलियों में पक डे हा  
 थों में गुर्ज सोंटे का धों पैल ठूल क डे जंगो जदल के  
 होकर तै आर पैर ते हैं इस गोलों से जव के  
 आकर पानी करे है तंगी क्या क्या उछल उछल  
 कर कर ते हैं शोख संगी आपस में जव तो आक  
 र होती है खाने जंगी चलते हैं गुर्ज सोंटे और  
 लट्ट हफ्तरंगी किस किस लपक भपक से कर  
 वार पैर ते हैं इस हर आन बोल ते हैं सै अद  
 अमीर की जै फिर उस के बाद अपने उस्ताद पीर  
 की जै मोरो मुकट कह है आय मना के नीर की जै  
 फिर गोल के सब अपने खुरदो कबीर की जै । सौ



सौख्यमीमेंहोकरसरशारपैरतेहैं इस क्या  
 क्यानजीरयहांकेहैंपैरनेमेंवानी होजिस्केपै  
 रनेकीमुलकोंमेंआनमानी उस्तादऔरखली  
 फेशागिर्दयारजानी सबखशरहे' जहांतकज  
 मनाकेबीचपानी हरदमखुशीमें'होकरसर  
 शारपैरतेहैं इसआगरेमें'क्याक्याअथार  
 पैरतेहैं ३०

हरदमसुदामायादकरेकृष्णमुरारी रहताहै  
 मस्तहालदिलोदर्दमेंभारी औरदिलमेंकिसी  
 आननहींसोचविचारी करताहैगुजरमांगके  
 वहभीखभिषारी हरआनदिलमेंकहेताहैधनहै  
 तुविहारी देख्योसुदामातनपैतोसावतनचीरहै  
 फेंटाबंधाहैशिरकेऊपरसोभीलीरहै जामेके  
 टुकडेडडगयेदामनधजीरहै गरजिस्सुउसका  
 देप्रोतोदुर्वलहकीरहै सौपैवंदोंसेसीसीकेधो  
 तीकोसुधारी जागहतवेकीटीकराहैगादराड  
 दार लुटियाहैएकछोटीसीसोभीहैछेददार  
 लोहेकिकरछीतिसकेभीफूटेज्जयेकनार पैवंद  
 दारहांडीरसोईकायहसिंगार पथरौटाफूटा  
 तिसकोभीयालीसीसुधारी छप्परपैगौरकी



जियेचलनीसाहोरहा तिसकोभीघासपातसे  
 सारारफूकिया फूटीदिवारचारोतरफजोंखंड  
 रपडा श्यारोंनेब्वरकियावहोपंछीनेघोसला अ  
 वऐसीभोंपडीजोसुदामानेसुधारी गोसेकेवी  
 चअपनेलियेखावगाकरी पायेदिवारलकडील  
 गाखाटसीधरी तिसपरहैफर्सओढनेकोगेज्जं  
 कीनरी सोवैहैरातउसपैजपैसुहसेउठहरी सा  
 धोंकेवीचरहकेऊमरअपनीगुजारी उनकोज  
 वइस्तरहसेज्जआदर्टदुखकमाल एकरोजदि  
 लमेइस्तरकीक्योंज्जआखयाल हैंगेकदीमयार  
 तुमारेमदगुपाल जावोउन्होकेपासकरेंगेवज्ज  
 तनिहाल तुमसेउनोसेगहरीहमेसेमेहैयारी  
 औरतकीवातसुनकेसुदामादियाजवाव तुमको  
 हैजरकीचाहवहपानीकाजोंज्जवाव कहने  
 लगीजवइस्तरहीहमकोकहांहैताव जवदेखा  
 हालआपकाहमनेनिपटखराव तवअर्जकीहैजा  
 नेकोतकसीरहभारी उनपैमुकटजडाउहैऔ  
 रसिरमेराखाली कुंडलहैउनकेकानोंमेसुज  
 पैनहींवाली उनपैपितंबरहैगामैकमलीरखूं  
 काली वेहैवडेतुमछोटेयोंवोलीबहधरवाली



कदमोमेउनकेजावोखवरलेंगेतुमारी तेरीयह  
 बातखूबमैसमझाहूँ'नेकतर अवहालपरतुमे  
 रेनहींकरतीहै नजर वेतीनलोकनाथहैमुजसे  
 मिले'क्योंकर फिरजानकहेजावोवहांतुमजो  
 वेखतर हरएकतरहसेखडीसमझावेहैनारी  
 जरबिनधरमकरमनहींहोताहैकुछयहां जर  
 रबिननहींमिलेहैगाआदरकिसीझकां जरसे  
 जोऐसचाहोमिलेहैजहांतहां तुमहरिकेपा  
 सजावोकहेकानिमनीवहां वकशेंसेजरबज्ज  
 तसातुहूँवेगिरिवरधारी जरकेलियेतोदि  
 लमेहजारोंफिकरकरे' जरकेलियेतोयारसे  
 हरगिजनहींमिलें इससेभलाहैमरनानहीं  
 जाकेकुछकहे' उसहीकानामदिलमेसदाअ  
 पनेहमजपें हैवित्तअपनीमांगनाहररोजव  
 जारी दीगरजवावइस्तरीकहतीहैवेहैंश्याम  
 लाषोंउन्होनेभक्तोंकेअपनेकियेहैंकाम यहवात  
 जाकेपूछलो नहीखासहैयआम मानोहमारी  
 सीखउधरकोकरोप्रयाम इसवातसेदिलमेक  
 भीहूँजेनहींआरी वेजादोनाथहैगेवडेकृष्ण  
 कन्हारू क्वालीजेभेंटधरमेनहीदेहैदिखारू ज



वइस्तरौपडोससे एकतोफाले आई चादरमे चौ  
 तहचांवलोंकिकनकीबंधाई फिरकीहै सुदा  
 माने जो चलनेको तयारी लेवगलमे विरंज सु  
 दामावहांचले रस्तेमे सामजवज्जई एकसहर  
 मेवसे ह्वांसेदुआरकारखा श्रीकृष्णनेउसे सोते  
 ऊये सुदामासवेरेजभीउठे चारोतरफसे द्वार  
 का सोनेकीनिहारी दिलमेकहै सुदामामैदे  
 खूँ हूँ यहक्याखाव जवकृष्णजीनजरपडेक  
 रनेलगाहिजाव हरिनेजोअपनेपासबुलाया  
 वहींसिताव चरनोकोधोके सिरपैचढायास  
 भोनेआव दरसनकोमिलकेआई हैरानीजोधीं  
 सारी खुसहोके सुदामासेकृष्णउठलिपटग  
 ये दोनोकेगलेमिलतेहीआनंदसुषभये मि  
 लतेहैंकवकिसीकोह्यांभागोंसेआगये आद  
 रसेआपलेगयेसिहांसनपरनये जवपेमकुशल  
 पूंछीरहीवहननदारी न्हानेके उनके केवा  
 स्तेपानीगरमकिया भोजनतरहतरहकाफि  
 रतैयारकरलिया अज्ञानध्यानकरके सुदामा  
 नेजलपिया वागातरहतरहका सुदामाकोत  
 वदिया उनमेलगाहै वादलागोटाऔकिना



री श्रीकृष्ण बोले दो जोह में दीना है भाभी यह  
 वात सुन सुदामा ने गांठ और भी दावी हरि ने  
 चला के हाथ वोही खे चली आपी दो सुठ्ठी मुह  
 मे डाल ते धरती सभी कापी और तीसरी के भर  
 ते रुक मणी जी पुकारी ताना दिया फिर ओं हीं  
 कि देखे तुमारे यार आये हैं मांग ते जे ये ऐ से  
 खराव खूँर तिर लो की दे चुको गे कुछ अपना भी  
 है सुमार श्रीकृष्ण बोले तुम को क्या अपना करो  
 जो कार यह मांगतान ही है गा सुन प्रा न पि आरी  
 असे निहंग लाडिले देखे हैं काम कहीं खुश हैं  
 ये अपने हाल मे परवाइ न्हें न्हों कुछ मिल गया  
 तो खायान ही विस्तराजमी एक दम् मे चाहे जो  
 मिले इन को है क्या कभी ये जे के यार हैं गे कोई  
 यार न थारी श्रीकृष्ण विश्व कर्मा को बुला कहा  
 पुकार सोने के महल खूँ व सुदामा के होत यार  
 एक दमे वा गोमहल वनाये वहारदार कोठे कि  
 वाड़ि खिडकियां छजे वहारदार चौवारे मीने  
 वंगले जडाड है अंटारी फिर गुप्त गूमे वात  
 लडक्पन् की चलाई वह दिन भी तुम को याद है  
 कुछ यान हीं भाई भे जो गुरु ने लकड़ी को मेह



आंधीलेआई । मुट्टीचनेकीवैठवहांतुमनेजो  
 खाई ॥ औरहमनेरातकाटीहैपीपानीवह  
 खारी । कईदिनसुदामाकृष्णकेद्वारकारहे  
 पटरानीभाईबंधुसभीटहलमेलगे ॥ घरघर  
 दिखाईद्वारकासवसंगहरफिरे । मांगीविदा  
 सुदामानेचलनेकीकृष्णसे ॥ सवआनकेहा  
 जिरज्जयेजोथेदरोवारी । पज्जंचांवनेसुदा  
 माकोजादौचलेसारे ॥ बलदेवकृष्णटोंनोभ  
 एपात्रोनियारे । औरसंगसाथवलीवड़ेजोधा  
 जोमारे ॥ नगरसहरसभीज्जआआशहर  
 दूआरे । होतेविदाकोसवनेकियाचश्मोंको  
 जारी ॥ रुखसदज्जआसुदामावहांसेतिजव  
 चला । जवराहवीचआयाज्जआसोचयहभा  
 री ॥ औरतकहैगिलाएहोआमुभक्तकोदोदि  
 खा । इसजिंदगीसेमौतभलीआकहेंगेजाजि  
 सवास्तेवहरांडवज्जतहैगोखहारी ॥ यह  
 सोचकरतेकरतेपुरीपासआगई । देखेतोघ  
 रनकृष्णरआफतवड़ीभई ॥ नेब्राह्मणीनिशा  
 ननघरक्याकज्जंदई । दीनाहमे'सोदेखाक  
 रीवातयहनई ॥ वहभीलियायहमारअजव



भीतरीमारी । फिरतामहलकेगिर्दसुदामा  
 नजरपड़ी ॥ देखेतोएकइस्तरीकोठेपैहैख  
 डी । वहवहांसेबुलावेसुदामाकोहरघड़ी ॥  
 दिलमेंकहेसुदामायहरानीहैकोईवड़ी । जा  
 ऊंजोघरमेंमारे'गेदरवानहजारी ॥ यह  
 बारवारमुझकोबुलावेहैक्यासवव । साइद  
 मुझेपसंदकियाअपनेदिलमेंअब ॥ इतनेमेंव  
 हमहलसेउतरपासआईजव । कहनेलगीय  
 हदेखोविभोहैंउन्हीकोसव ॥ मायायहहरि  
 कीदेखहमेंऐसीविसारी । फिरवांछपकड़  
 लेगईचौकीपैविठाया ॥ खुसबूलगाउवटना  
 मलाखूवनिल्हाया । लेटहलुएनेमुखपितं  
 वरजोपहनाया । पूजाकरीसुदामानेहरि  
 ध्यानलगाया ॥ खिदमतमेचेरियांखडीलेहा  
 यमेभारी । तिनऊठसुदामाअपनेकरै'यही  
 षटकरम ॥ औरपुन्रदानपूजाकरेउसकाजो  
 धरम । हरिविननहींतोजानेकोईउसका  
 अवमरम । कईदिनगुजारेइसतरहभोजन  
 कियेगरम ॥ सोवेवहहरिकेध्यानमें'खापानसु  
 पारी । इसतरहजोनजोररहतेहरिकेध्या



नमे' । यह भक्तजोग है गाकठिनकरधियान  
 मे' ॥ यह वात है लिखी ऊर्द्धवेद और पुरान  
 मे' । श्री कृष्ण नाम लेले हरे क आन आन मे' ॥ वैकु  
 ण्ठ धाम पावे जो है हरिके पुजारी ॥ श्री राम जी



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥







## विज्ञापनम् ।



कलिकाताराजधान्यां श्रीयुतवावुभुवनचन्द्र  
वसाकसंस्थापितसंवादज्ञानरत्नाकराख्ये  
यन्त्रे देवनागराक्षरे मुद्रित  
पुस्तकविवरणम् ।

( निम्नतलाघाटप्रीट ८ संख्यक भवन । )

संस्कृतम् ।

सटीक । शिशुपालवध । रघुवंश । किरा  
तार्जुनीय । वेणीसंहारनाटक । कुमार  
सम्भव सप्तमसर्गान्त । ऋतुसंहार ।  
मूलमात्र । सुश्रुत । साहित्यदर्पण ।  
कुमार, उत्तरखण्ड । किरातार्जुनीय ।  
दशकुमारचरित । वसन्ततिलकमाण ।

हिन्दी ।

श्रीमद्भगवद्गीता । प्रेमसागर । वैताल  
पच्चीसी । माधवविलास । ऐन्द्रजालिक  
विद्या का पहिला खण्ड । वारहमासी ।







